www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 91 ■ जशपुर, 27 नवंबर 2026 (शुक्रवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

अमरजीत भगत बनाम रामकुमार टोप्पो, एक के वार पर दूसरे का पलटवार

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सीतापुर। ट्रैफिक चालान को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक जंग में बदल गया है। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का एक वायरल वीडियो सामने आने के बाद भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं। वीडियो में अमरजीत भगत पुलिसकर्मियों को चालानी कार्रवाई करने से रोकते और कांग्रेस के कार्यक्रम का हवाला देते नजर आ रहे हैं।

मामला गरमाया तो सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई की बात कही। इसके जवाब में पूर्व मंत्री भगत ने भी विधायक पर तीखा पलटवार कर दिया। अब चालान से शुरू हुआ विवाद बयानबाजी के जरिए सियासी अखाड़े में पहुंच गया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल कुछ दिन पहले सीतापुर में पुलिस मोटर व्हीकल एक्ट के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान कांग्रेस के एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे कुछ लोगों के वाहनों पर भी पुलिस ने कार्रवाई की। चालान कटने से नाराज लोग पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के पास पहुंचे।

इसके बाद भगत पुलिसकर्मियों को चालान काटने से रोकते नजर आए। उन्होंने कांग्रेस के कार्यक्रम का हवाला देते हुए पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद मामला राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया।

विधायक रामकुमार टोप्पो ने कांग्रेस पर साधा निशाना

वीडियो वायरल होने के बाद सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता अपराध को दबाने और अपने लोगों को संरक्षण देने की रही है। विधायक ने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है।

जब कानून तोड़ने पर एक विधायक





के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है, तो आम नागरिक हो या कोई नेता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भाजपा सरकार में कानून तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

अमरजीत भगत ने किया पलटवार

विधायक के बयान के बाद पूर्व मंत्री अमरजीत भगत भी चुप नहीं रहे। उन्होंने रामकुमार टोप्पो पर पलटवार करते हुए कहा कि जिनका अपराध से गहरा रिश्ता होता है, वही इस तरह की बातें करते हैं। भगत ने खुद को अपराध से दूर बताते हुए विधायक के बयान पर सवाल उठाए।

उन्होंने यह भी पूछा कि यदि भाजपा की रैली या कार्यक्रम में पुलिस इस तरह की कार्रवाई नहीं करती, तो कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल लोगों के वाहनों पर चालानी कार्रवाई क्यों की गई? पूर्व मंत्री ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए।

विधायक के खिलाफ FIR का मामला भी चर्चा में

इस पूरे विवाद के बीच कुछ महीने पहले का एक मामला भी फिर चर्चा में आ गया है। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो के खिलाफ नायब तहसीलदार से मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी। इसी घटनाक्रम का हवाला देते हुए विधायक का कहना है कि जब उनके खिलाफ मामला दर्ज हो सकता है, तो कानून तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति पर कार्रवाई होनी चाहिए।

फिलहाल सीतापुर में चालानी कार्रवाई को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक के बीच जुबानी जंग में तब्दील हो चुका है। एक ओर अमरजीत भगत पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं, तो दूसरी ओर रामकुमार टोप्पो कानून की समानता और नियमों के पालन की बात कर रहे हैं। अब देखना होगा कि यह राजनीतिक तकरार आगे क्या नया मोड़ लेती है।

पहेली बने लापता होने के 4 मामले, कॉलेज छात्राओं समेत किशोर की तलाश जारी

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पेन्ड्रा। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के अंतर्गत आने वाले पेंड्रा थाना क्षेत्र में बीते तीन दिनों के भीतर तीन युवतियों और एक नाबालिग किशोर के अचानक गायब होने से स्थानीय निवासियों और पीड़ित परिवारों की चिंता काफी बढ़ गई है। लगातार सामने आए इन चारों प्रकरणों में परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर या अपहरण कर ले जाने का संदेह व्यक्त किया है। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस प्रशासन ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(3) के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर अपनी विवेचना प्रारंभ कर दी है।

इस घटनाक्रम में दो कॉलेज छात्राओं के एक ही दिन लापता होने का मामला सामने आया है। ग्राम सेंवरा में रहने वाले निरंजन सिंह मरावी की 19 वर्षीय पुत्री खुशबू मरावी 23 नवंबर की सुबह लगभग 11 बजे अपने घर से अमरपुर स्थित डॉक्टर भंवर सिंह पोर्ते कॉलेज जाने के लिए निकली थी, जो वापस नहीं लौटी।

इसी महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत ग्राम अड़भार निवासी समारू भरिया की 20 वर्षीय बेटी रोशनी



भी उसी दिन यानी 23 नवंबर को सुबह करीब 11 बजे घर से बिना किसी को कुछ बताए निकल गई और तब से उसका कोई पता नहीं चला है।

युवतियों के अलावा एक किशोर और एक अन्य युवती के लापता होने की रिपोर्ट भी थाने में दर्ज कराई गई है। ग्राम बारीउमराव की रहने वाली 20 वर्षीय गीता उदे 19 नवंबर से अपने घर से गायब है; जब उसके पिता खेत से काम करके वापस लौटे तो उन्हें घर के दरवाजे पर ताला लगा मिला और पुत्री नदारद थी।

वहीं, ग्राम नवागांव का निवासी 17 वर्षीय छवि प्रसाद चौधरी 22 नवंबर को सुबह 9:30 बजे रोज की तरह काम पर जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन शाम तक उसकी घर वापसी नहीं हुई।

सभी प्रभावित परिवारों ने अपने स्तर पर रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, किंतु किसी का भी कोई सुराग हाथ नहीं लग सका। इसके पश्चात परिजनों ने थाने पहुंचकर विधिवत शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने नियम के अनुसार बीएनएस की धारा 140(3) के अंतर्गत अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है। इलाके में एक के बाद एक हुई इन घटनाओं के बाद अब सभी हैरान हैं।

4 गांवों में फादर-पास्टर के प्रवेश पर रोक के बोर्ड से विवाद

ईसाई आदिवासी महासभा पदाधिकारी पहुंचे कलेक्टर-SSP के पास

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में धर्मांतरण को लेकर अब ईसाई समाज की ओर से भी विरोध के स्वर उठने लगे हैं। जिले के 4 गांवों में ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार और धर्मांतरण के उद्देश्य से आने वाले फादर, सिस्टर और पास्टर के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी बोर्ड लगाए जाने के बाद मामला अब प्रशासन तक पहुंच गया है। इन बोर्डों को लेकर ईसाई आदिवासी महासभा छत्तीसगढ़ ने कड़ी आपत्ति जताई है। महासभा के पदाधिकारियों ने कलेक्टर और एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामसभा के फैसले को लेकर विवाद

दरअसल, जशपुर जिले के ग्राम सोगड़ा, केशरा, चड़िया और डूमरटोली में कथित तौर पर ग्रामसभा के फैसले के बाद बोर्ड लगाए गए हैं। इन बोर्डों में ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार और धर्मांतरण के उद्देश्य से गांव में आने वाले फादर, सिस्टर और पास्टर के प्रवेश पर रोक लगाने की बात लिखी गई है। चार गांवों में इस तरह के



बोर्ड लगाए जाने के बाद अब इसे लेकर विरोध और आपत्तियां सामने आने लगी हैं।

संविधान का दिया हवाला

ईसाई आदिवासी महासभा छत्तीसगढ़ ने इन बोर्डों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि धर्म के आधार पर किसी भी समुदाय के धार्मिक आवागमन और संवैधानिक अधिकारों पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता. महासभा का कहना है कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और धार्मिक आस्था के पालन का अधिकार प्रदान करता है. ऐसे में किसी धर्म विशेष के लोगों के आवागमन पर रोक लगाने संबंधी निर्णयों की वैधानिकता की जांच जरूरी है।

विवादित बोर्ड हटाने की मांग

महासभा ने कलेक्टर और एसएसपी को सौंपे गए ज्ञापन में पेसा अधिनियम 1996 के साथ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 25 का हवाला दिया है. संगठन ने मांग की है कि चारों गांवों में लगाए गए विवादित बोर्डों को हटाया जाए और ग्रामसभा के नाम पर लिए गए कथित फैसलों की वैधानिकता की जांच कराई जाए. इसके साथ ही मामले में जिम्मेदार पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने की मांग भी की गई है।

महासभा ने प्रशासन से पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराने और उचित कदम उठाने का आग्रह किया है. इस दौरान ईसाई आदिवासी महासभा की महिला पदाधिकारी सिस्टर ने भी अपनी बात रखी. वहीं महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा ने भी ज्ञापन सौंपकर संगठन का पक्ष प्रशासन के सामने रखा।

फिलहाल जशपुर के चार गांवों में लगाए गए बोर्ड और ग्रामसभा के कथित फैसलों को लेकर मामला प्रशासन के पास पहुंच गया है. एक ओर महासभा ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा मामला बताते हुए बोर्ड हटाने की मांग की है, वहीं अब प्रशासन की जांच और आगे की कार्रवाई पर नजरें टिकी हैं।

तोगड़िया का धर्मांतरण पर बड़ा बयान, धर्म बदलने वालों का आरक्षण हो खत्म

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने अंबिकापुर में हिंदू सम्मेलन में कहा कि देशभर में गांव-गांव तक हिंदुओं को जोड़ने के लिए हनुमान चालीसा केंद्र और हिंदू सेवा केंद्र बनाए जा रहे हैं। मंगलवार और शनिवार को होंगे हनुमान चालीसा केंद्र

डॉ. तोगड़िया ने कहा कि देश के हर गांव, शहर और गली तक हिंदुओं को जोड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मंगलवार और शनिवार को साप्ताहिक हनुमान चालीसा केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने समृद्ध, सुरक्षित और सम्मानयुक्त हिंदू समाज बनाने के लिए हर घर तक इस अभियान को पहुंचाने का आह्वान किया।

सेवा केंद्रों में मिलेगी स्वास्थ्य और दूसरी मदद

तोगड़िया ने कहा कि हिंदू सेवा केंद्रों के जरिए धार्मिक गतिविधियों के साथ जरूरतमंदों की मदद भी की जाएगी। यहां लोगों को अनाज, स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच जैसी सुविधाएं देने की योजना है। इन केंद्रों को हिंदू हेल्प सेंटर, हिंदू आरोग्य केंद्र और सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने हिंदू



हेल्पलाइन के माध्यम से देश के किसी भी हिस्से में जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने की पहल करने की बात कही। उनका दावा है कि इससे धर्मांतरण रोकने में भी मदद मिलेगी।

डी-लिस्टिंग कानून लागू करने की मांग

डॉ. तोगड़िया ने कहा कि देश में डी-लिस्टिंग की मांग उठ रही है। उन्होंने दावा किया कि ट्राइबल समाज में धर्म परिवर्तन करने वालों को आरक्षण का लाभ मिलता रहता है, जबकि अपनी परंपराओं से जुड़े लोगों को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि जैसे ईसाई धर्म अपनाने पर अनुसूचित जाति के व्यक्ति का आरक्षण समाप्त हो जाता है, वैसे ही ईसाई धर्म अपनाने वाले ट्राइबल लोगों का आरक्षण भी समाप्त होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मांग पर कानून बनाएगी।

संविधान गौरव दिवस पर बीजेपी-कांग्रेस में जुबानी जंग, साय बोले- कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं

कांग्रेस का पलटवार- संविधान किसी की जागीर नहीं, 140 करोड़ भारतीयों की तकदीर : सुखदेव भगत

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। संविधान गौरव दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर में बीजेपी और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर देखने को मिला। शहीद स्मारक भवन में आयोजित संगोष्ठी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए कई बार संविधान के साथ खिलवाड़ किया और जनता द्वारा चुनी गई सरकारों को बर्खास्त किया, वे आज लोकतंत्र और संविधान की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और लगातार चुनावी हार से पार्टी बौखलाई हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्रता से जीने, अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करने और असहमति को मर्यादित तरीके से रखने का अधिकार देता है। उन्होंने संविधान निर्माण में छत्तीसगढ़ के योगदान को भी याद किया।





कांग्रेस ने निकाला संविधान रक्षा मार्च

दूसरी ओर, कांग्रेस ने वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत गांधी मैदान से अंबेडकर चौक तक संविधान रक्षा मार्च निकाला। इसमें प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। मार्च के बाद आयोजित सभा में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर संविधान और संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत ने कहा कि संविधान किसी सरकार की जागीर नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की तकदीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि बहुमत के अहंकार में केंद्र सरकार संवैधानिक मूल्यों को कमजोर कर रही है और अपनी मर्जी से कानून बना रही है।

संविधान के सम्मान और उसकी रक्षा के मुद्दे पर आयोजित दोनों दलों के कार्यक्रमों में एक-दूसरे पर लगाए गए आरोपों से राजधानी का राजनीतिक माहौल गरमाया रहा।

निजी पावर प्लांट में किलन की सफाई के दौरान 5 श्रमिक झुलसे, रायपुर में इलाज जारी

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

महासमुंद। तुमगांव थाना क्षेत्र स्थित करणी कृपा पावर स्टील प्लांट में 24 नवंबर की रात बड़ा हादसा हुआ। औद्योगिक भट्ठी की सफाई के दौरान गर्म डस्ट 5 मजदूरों पर गिर गया। सभी प्रशिक्षित, राजकुमार 35 प्रतिशत, भागवत 55 प्रतिशत और हेमंत 60 प्रतिशत तक झुलसे हैं। सभी की हालत गंभीर बताई गई है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

प्लांट की औद्योगिक भट्ठी में गर्म डस्ट की चपेट में आने से पिछले तीन-चार साल में कई हादसे हो चुके हैं, जिनमें मजदूरों की मौत भी हुई है।



सुरक्षा इंतजामों की जांच जरूरी

भट्ठी की सफाई जैसे जोखिम भरे काम में डस्ट का पूरी तरह ठंडा होना और सुरक्षा नियमों का पालन जरूरी है। यह जांच का विषय है कि हादसे के समय डस्ट का तापमान जांचा गया था या नहीं, मजदूरों को सुरक्षा उपकरण दिए गए थे या नहीं और तय सुरक्षा प्रक्रिया अपनाई गई थी या नहीं। लगातार हादसों के बाद प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था की जांच और लापरवाही सामने आने पर कार्रवाई की मांग उठ रही है।

साइबर ठगी के म्यूल अकाउंट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, 8 राज्यों में दर्ज हैं शिकायतें

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। साइबर फ्रॉड के उद्देश्य से म्यूल अकाउंट मामलों में थाना कोतवाली पुलिस टीम ने दो अलग-अलग प्रकरणों में दो आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजा है। दोनों के खातों का उपयोग साइबर ठगी में किया गया था, इनके विरुद्ध देश के 8 राज्यों में विभिन्न ऑनलाइन शिकायतें दर्ज पाई गई हैं।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त सूची अनुसार फर्जी मोबाइल नंबर जारी करने वाले पॉइंट ऑफ सेल्स एवं म्यूल अकाउंट खाता धारकों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई किए जाने के संबंध में पुलिस मुख्यालय रायपुर से दिशा-निर्देश प्राप्त हुए थे। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई। संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, साइबर सेल प्रभारी अजीत मिश्रा, उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक सदरक लकड़ा, सियाराम मरावी, आरक्षक हरिनाम सिंह, अनुग्रस लकड़ा, प्रवीण खलखो, राजीव एक्का, बिजेंद्र पैकरा सक्रिय रहे।

अधिक पैसे के लालच में आकर दे दिया बैंक खाता

पहले प्रकरण में एचडीएफसी बैंक खाते के विरुद्ध साइबर पुलिस पोर्टल में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्यों में ऑनलाइन शिकायत दर्ज होना तथा उक्त खाते में अवैध राशि छलपूर्वक प्राप्त करने हेतु बैंक





खाते का उपयोग षड्यंत्रपूर्वक किया जाना पाया गया। इस पर थाना कोतवाली में धारा 420 भा.दं.सं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना में आरोपी मनोहर लाल तिग्गा पिता श्रीनाथ तिग्गा 25 वर्ष, निवासी जराकेला तुतपारा बरगीडीह, थाना लुण्ड्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने बताया कि वर्ष 2023 में अंबिकापुर में काम की तलाश के दौरान अपने दोस्त के माध्यम से एमजी रोड स्थित स्मार्ट प्वाइंट के ऊपर वर्चुअल फैशन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के ऑफिस गया था, जहां उसने फॉर्म भरकर अपना फोटो, आधार कार्ड, कक्षा 12वीं की मार्कशीट, पैनकार्ड व एचडीएफसी बैंक खाते की छायाप्रति एवं 200 रुपये शुल्क जमा किए थे। आरोपी ने अधिक पैसे के लालच में आकर अपना बैंक अकाउंट देना बताया। आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने से उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

वेरिफिकेशन के लिए एटीएम कार्ड कूरियर से भेजा

दूसरे प्रकरण में म्यूल खाते के विरुद्ध आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल राज्यों में ऑनलाइन शिकायत दर्ज होना पाया गया। इस पर थाना कोतवाली में धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था। आरोपी विकास लकड़ा पिता सुरेश लकड़ा 40 वर्ष, निवासी लक्ष्मीपुर तेन्दुपारा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने बताया कि जुलाई-अगस्त 2024 में फेसबुक पर 5 रुपये के ट्रैक्टर छाप नोट के बदले एक लाख रुपये मिलने के विज्ञापन के झांसे में आकर उसने एक अज्ञात कॉलर, जो स्वयं को आरबीआई से बताता था, के कहने पर अगस्त 2024 में पंजाब नेशनल बैंक में, सितंबर 2024 में केनरा बैंक में खाते खुलवाया और दोनों खातों में सामने वाले के द्वारा दिया गया मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड कराया। साथ ही वेरिफिकेशन के नाम पर पीएनबी और केनरा बैंक के एटीएम कार्ड को कूरियर के माध्यम से भिवाड़ी राजस्थान के पते पर भेज दिया। विवेचना के दौरान आरोपी के पास से दोनों बैंकों की पासबुक ई-साक्ष्य के रूप में जब्त की गई।

तुलसी गांव में तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर ग्राम पंचायत तुलसी में स्वास्थ्य केंद्र के समीप कार चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

लटोरी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सोनगरा पीपरपारा निवासी कलेश्वर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 25 नवंबर को उसके बड़े पिताजी 45 वर्षीय परसोत्तम सिंह पिता स्व. गेंदलाल अपने ससुराल से कथा कार्यक्रम में शामिल होने उपरांत सायकल से वापस घर लौट रहा था। तभी जरही तरफ से अंबिकापुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 29 एडी 8289 के चालक ने ग्राम पंचायत तुलसी में टक्कर मार दिया है, जिससे परसोत्तम सिंह साइकिल सहित सड़क से काफी दूर फेंका गया। उसके चेहरे पर गंभीर चोट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मदननगर खुली खदान में कलेक्टर की उपस्थिति में प्रभावितों को दी गई नौकरी

मुआवजा व पुनर्वास के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की उपस्थिति में जिला स्तरीय पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना समिति की बैठक हुई। बैठक में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), भटगांव क्षेत्र की मदननगर खुली खदान परियोजना से प्रभावित राजपुर तहसील के ग्राम चउरा के लोगों को नौकरी, मुआवजा और पुनर्वास से जुड़े प्रावधानों और नियमों की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि इन प्रावधानों का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा, रोजगार और बसाहट की ऐसी व्यवस्था देना है, जिससे उनका जीवन स्तर और बेहतर हो सके। उपस्थित लोगों को बताया गया कि ग्राम चउरा के 189 खातेदारों की लगभग 482 एकड़ निजी भूमि अधिग्रहित की जा रही है। कोल इंडिया पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना नीति 2012 के तहत हर दो एकड़ अधिग्रहित भूमि पर एक स्थायी नौकरी दी जाएगी। रोजगार क्लबिंग कॉन्सेप्ट या अवरोही क्रम में दिया जाएगा। जो भू-स्वामी नौकरी नहीं लेना चाहते, उन्हें नौकरी के बदले 5 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से एकमुश्त मुआवजा मिलेगा। यह राशि कम से कम 50 हजार रुपये होगी। नौकरी के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और तहसीलदार से सत्यापित भू-राजस्व दस्तावेज, जाति, निवास और शैक्षणिक प्रमाण-पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों की जानकारी भी दी गई।

बैठक में बताया गया कि भूमि के बदले आर. एफ. सी. टी. एल. ए. आर अधिनियम 2013 के तहत सर्किल रेट का लगभग चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। मकान, कुएं, पेड़-पौधे और दूसरी संपत्तियों का भी उचित मूल्यांकन कर 100 प्रतिशत सोलेशियम के साथ भुगतान होगा। विस्थापित परिवारों को पुनर्बसाहट स्थल पर 6 डिसमिल भू-खंड मिलेगा। जो परिवार कहीं और बसना चाहें, उन्हें 3 लाख रुपये एकमुश्त दिए जाएंगे। पुनर्बसाहट स्थल पर सड़क, बिजली, पेयजल, स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक भवन और खेल मैदान जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

भूमिहीन प्रभावितों को स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सहकारी समिति बनाकर वे ठेकेदारी का काम भी कर सकेंगे। परियोजना से जुड़े अप्रत्यक्ष रोजगार और पुनर्बसाहट स्थल की दुकानों के आवंटन में प्रभावित परिवारों को प्राथमिकता मिलेगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार सिदार, एसडीएम श्री विवेक अनमोल टोप्पो, एसईसीएल के पदाधिकारीगण व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री ने जयनगर एवं रामनगर धान उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने आज सूरजपुर जिले के प्रवास के दौरान जयनगर एवं रामनगर धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए किसानों से संवाद किया तथा टोकन प्राप्त करने एवं धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी होने के संबंध में जानकारी ली। किसानों ने बताया कि उन्हें टोकन प्राप्त करने एवं धान विक्रय करने में किसी प्रकार की समस्या नहीं हो रही है। प्रभारी मंत्री बघेल ने किसानों को कृषक उन्नति योजना के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष प्रति एकड़ निर्धारित 21 क्विंटल से कम धान विक्रय करने की स्थिति में भी पात्र किसानों को समर्थन मूल्य की अंतर राशि प्रति एकड़ के आधार पर पूरी प्रदान की जाएगी। उन्होंने किसानों को अपना धान विक्रय खाता बिचौलियों को नहीं देने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि राज्य शासन किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रभारी मंत्री को जिले में धान खरीदी के लिए की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि पारदर्शिता के साथ धान खरीदी की जा रही है। सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों के नाम सहित ऋण संबंधी सूची चस्पा की गई है। वहीं, माइक्रो एटीएम के माध्यम से किसानों को समिति स्तर पर ही राशि आहरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रभारी मंत्री ने सभी धान उपार्जन केंद्रों में कृषक उन्नति योजना से संबंधित पोस्टर लगाने एवं योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए।



रामनगर धान उपार्जन केंद्र में प्रभारी मंत्री बघेल ने धान विक्रय करने पहुंचीं किसान श्रीमती विमला देवी एवं रामविलास मानिकपुरी से चर्चा कर खरीदी व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्हें कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत मिलने वाली अंतर राशि के संबंध में अवगत कराया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने नमी मापक यंत्र से धान की नमी की जांच कराई तथा तौल मशीन से धान की बोरियों का वजन कराकर देखा। उन्होंने निर्धारित मापदंड के अनुरूप बोरियों में धान भरने की समझाइश दी। साथ ही हमालों से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नशे में धुत्त युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर में युवक ने नशे में धुत्त युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर निवासी 36 वर्षीय सोमार साय पिता शिवलाल 4-5 दिन पूर्व अपने पुराने घर रामपुर गया था, जो मंगलवार को ही शराब के नशे में धुत्त होकर वापस सरस्वतीपुर घर में लौटकर पत्नी व परिजन के साथ विवाद करने लगा। विवाद से नाराज होकर पत्नी पुराने घर रामपुर चली गई। इसी बीच रात में घर में नशे में धुत्त युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। बुधवार को जब पत्नी व परिजन आकर देखे तो युवक फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

धान बेचने में किसानों को नहीं होगी परेशानी, खसरा और फसल प्रविष्टि की विसंगतियाँ होंगी दूर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी को सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन खसरा और फसल प्रविष्टि की विसंगतियाँ दूर करने की कार्रवाई करेगा। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिले के सभी एसडीएम और राजस्व अमले को निर्देश दिए हैं कि खसरा और फसल प्रविष्टि से जुड़े प्रकरणों का परीक्षण कर उनका समय-सीमा में निराकरण करें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र किसान तकनीकी कारणों से धान बेचने से वंचित नहीं होना चाहिए और अभिलेखों में वास्तविक फसल की स्थिति दर्ज रहनी चाहिए।

कई किसानों के खसरे फार्मर रजिस्ट्री में दर्ज हैं, लेकिन उपार्जन केंद्र (मंडल) में दिखाई नहीं दे रहे हैं। ऐसे खसरों की मैपिंग के लिए समितियों की आईडी में 'एग्रीस्टैक से धान खरीदी हेतु भूमि विवरण सिंक करें' का विकल्प दिया गया है। ऐसे किसान अपनी संबंधित समिति से संपर्क कर खसरा मैपिंग करा सकते हैं। खसरा मैपिंग धान खरीदी की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2027 तक कराई जा सकेगी।

कुछ खसरों में ष्ठ्ठस्र के जरिए धान की जगह कोई दूसरी फसल दर्ज हो गई है, जबकि किसान ने वास्तव में धान बोया है। कुछ खसरे ऐसे भी हैं जो ष्ठ्ठस्र और ड्ढड्ढ ऐप में उपलब्ध न होने के कारण सर्वे से छूट गए हैं। ऐसे सभी खसरों का तहसीलदार के माध्यम से मौके पर भौतिक सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन में राजस्व अभिलेखों का मिलान कर वास्तविक फसल और रकबे की जाँच होगी। हर खसरे का मौका पंचनामा बनेगा और खेत की तस्वीरें ली जाएँगी। सत्यापन के बाद सही जानकारी के आधार पर 30 नवंबर 2026 तक फसल प्रविष्टि में सुधार की कार्रवाई की जाएगी।

जिले के बिजली उपभोक्ताओं पर 74.27 करोड़ बकाया, 25 दिन में वसूले गए 63.16 लाख

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के 16 वितरण केंद्रों में बिजली उपभोक्ताओं पर बकाया राशि की वसूली को लेकर विभागीय आंकड़े सामने आए हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 25 नवंबर 2026 तक 92,344 उपभोक्ताओं पर लगभग 74.27 करोड़ रुपये की बकाया राशि दर्ज है। विभाग द्वारा बकाया बिजली बिलों की वसूली के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। नवंबर 2026 में वसूली की स्थिति के अनुसार 582 उपभोक्ताओं से 63.16 लाख रुपये की राशि वसूल की गई है। वहीं, लाइन विच्छेद की स्थिति में 941 उपभोक्ताओं का उल्लेख किया गया है, जिन पर कुल 258.65 लाख रुपये की बकाया राशि दर्ज है। विभाग के अनुसार बिजली बिलों की बकाया राशि काफी अधिक है। ऐसे में बकाया वसूली अभियान को प्रभावी बनाने तथा उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल भुगतान करने की अपील की गई है।

छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन और श्रीशक्ति फाउंडेशन द्वारा

रनपुर में बच्चों को बांटे गर्म कपड़े, जुंबा डांस के साथ साइबर जागरूकता और नशा मुक्ति पर हुई चर्चा

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन जिला सरगुजा और श्री शक्ति फाउंडेशन अंबिकापुर के संयुक्त तत्वावधान में आज ग्राम पंचायत रनपुर में सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



ठंड के मौसम को देखते हुए कार्यक्रम में 40 बच्चों को गर्म कपड़े तथा नॉर्मल कपड़े 80 नग वितरित किए गए। कपड़े पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को जुंबा डांस भी कराया गया। बच्चों ने संगीत की धुन पर जमकर डांस किया और खूब मस्ती की।

इसके साथ ही ग्रामीणों को साइबर जागरूकता के तहत ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और लिंक से बचने की जानकारी दी गई। वहीं नशा मुक्ति को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई और लोगों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज बनाने का आह्वान किया गया।

जानकारी देते हुए संस्था के जिला मीडिया प्रभारी मानसी राजवाड़े ने बताया कि अध्यक्ष सर शिव कुमार यादव के अगुआई में निरंतर सेवा कार्य किया जा रहे है फाउंडेशन का उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा करना और समाज को जागरूक बनाना है। ठंड में बच्चों को गर्म कपड़े देना इसी सेवा भावना का हिस्सा है। आगे भी इस तरह के सेवा कार्य लगातार जारी रहेंगे। इस अवसर पर दोनों फाउंडेशन के पदाधिकारी, वेद नारायण साहू जी प्रदेश संयुक्त सचिव, शिवा यादव जी जिला अध्यक्ष,साधना मिश्रा जी जिला उपाध्यक्ष, साधना कश्यप जी जिला महा सचिव, आदि सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आज रघुनाथनगर में कर्मा महोत्सव में होंगे शामिल

बलरामपुर जिले को देंगे 71.48 करोड़ के 694 विकास कार्यों की सौगात

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 27 नवंबर को वाड्रफनगर विकासखंड के रघुनाथनगर में आयोजित कर्मा महोत्सव में शामिल होंगे। शासकीय हाई स्कूल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को 71 करोड़ 47 लाख 99 हजार रुपये की लागत के 694 विकास कार्यों की सौगात देंगे। इनमें 672 कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास तथा 22 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इसके साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री का वितरण भी किया जाएगा।

सड़क निर्माण और ग्रामीण विकास को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री लोक निर्माण विभाग के दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे। इनमें वाड्रफनगर विकासखंड में 8 करोड़ 77 लाख 68 हजार रुपये की लागत से भगवानपुर से मेंढ़ारी तक 6 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा रामचंद्रपुर विकासखंड में 4 करोड़ 92 लाख 74 हजार रुपये की लागत से डिण्डो-विमलापुर-नवाडीह मार्ग के 18 किलोमीटर हिस्से का मजबूतीकरण एवं उन्नयन कार्य शामिल है।



वहीं वीबी-जी राम जी योजना के तहत जिले के विभिन्न विकासखंडों में 672 कार्यों का भूमिपूजन होगा। इनमें सरकारी स्कूलों में 9 अतिरिक्त कक्ष, 27 पुलिया, 25 मिट्टी-मुरम सड़कें और 609 अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं।

नल-जल योजनाओं और अस्पताल को मिलेगी सौगात

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की 14 करोड़ 31 लाख 84 हजार रुपये की लागत से तैयार 7 एकल ग्राम नल-जल योजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इन योजनाओं से बलरामपुर विकासखंड के भैंसामुण्डा, दलधोवा, खुर्रा और नवाडीहखुर्द तथा रामचंद्रपुर विकासखंड के कुर्लुडीह, धनपुरी और तामेश्वरनगर के ग्रामीणों को पेयजल सुविधा मिलेगी।

इसके अलावा रामानुजगंज के 100 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल में 36.10 लाख रुपये की लागत से स्थापित डायलिसिस यूनिट का लोकार्पण किया जाएगा। इससे किडनी रोगियों को डायलिसिस के लिए दूसरे जिलों में जाने की परेशानी से राहत मिलेगी।

आंगनबाड़ी और सरकारी कार्यालय भवनों का भी लोकार्पण

मुख्यमंत्री वीबी-जी राम जी योजना के तहत 1 करोड़ 40 लाख 28 हजार रुपये की लागत से निर्मित 12 आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही राजपुर में 48.03 लाख रुपये की लागत से निर्मित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन तथा कुसमी विकासखंड के चान्दो में 71.12 लाख रुपये की लागत से बने तहसील कार्यालय भवन का भी लोकार्पण होगा।

इन भवनों के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री के इस दौरे से जिले में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण अधोसंरचना के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

कार्मेल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया संविधान दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कार्मेल कॉन्वेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल बिश्रामपुर में 26 नवंबर को संविधान दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता बलराम कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बलराम कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के महत्व, उसकी विशेषताओं तथा नागरिकों को प्राप्त मौलिक अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान करता है। साथ ही भारतीय संविधान की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में संविधान विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया।

विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर कैरिल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में संवैधानिक जागरूकता, लोकतांत्रिक चेतना तथा अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।



संविधान दिवस पर कलेक्ट्रेट में प्रस्तावना का सामूहिक वाचन, अधिकारी-कर्मचारियों ने ली संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आज संविधान दिवस के अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय कलेक्ट्रेट के प्रांगण में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की उपस्थिति में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इस दौरान सभी को संविधान के प्रति निष्ठा रखने तथा उसमें निहित मूल्यों और आदर्शों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों, मूल कर्तव्यों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है, जो प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों से संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने तथा एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया।



शासन के आदेश को ठेंगा दिखाकर रायगढ़ के बजाय भैयाथान में जमे नायब तहसीलदार

भटगांव।राजस्व विभाग में नायब तहसीलदार उमेश कुमार कुशवाहा की पदस्थापना को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। शासन के आदेश में उनका तबादला कोरिया से रायगढ़ दर्शाया गया है, लेकिन चर्चा है कि वे सूरजपुर जिले की भैयाथान तहसील में पहुंच गए हैं। 9 सितंबर 2026 को जारी आदेश क्रमांक ईएसबीटी/28202/2026-राजस्व-7-2 में सूची के क्रमांक एक पर उनका नाम है। इसमें वर्तमान पदस्थापना कोरिया और नवीन पदस्थापना रायगढ़ दर्ज है। 19 नवंबर 2026 को जारी आदेश में स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से एकपक्षीय भारमुक्त कर नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए थे।



नवीन पदस्थापना रायगढ़

सवाल यह है कि रायगढ़ के आदेश के बाद भैयाथान में पदस्थापना किस आदेश के आधार पर हुई? क्या तबादला आदेश में संशोधन हुआ? क्या कोई अलग पदस्थापना आदेश जारी हुआ? यदि हुआ तो वह सार्वजनिक क्यों नहीं है? यह मामला केवल एक अधिकारी के तबादले तक सीमित नहीं, बल्कि शासन के आदेशों के पालन और प्रशासनिक पारदर्शिता से जुड़ा है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और राजस्व विभाग इस पर क्या स्पष्टीकरण देते हैं।

2028 से पहले छत्तीसगढ़ कांग्रेस का चकरबा! खारून बनाम रेण की लड़ाई फिर सतह पर

मनोज कुमार सिंह

राजनीति के चौपड़ में गोटे कैसे पड़ेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता है। लेकिन जनता भी बड़े विचित्र स्वभाव की होती है, वह पल भर में बादल की तरह अपने को बदल लेती है, इसलिए चतुर नीतिज्ञ जनता के मन से उसी तरह खेलता है, जैसे मदारी बंदर के साथ। वर्ष 2028 में छत्तीसगढ़ में विधानसभा का चुनाव है, इसलिए भाजपा सरकार और विपक्ष कांग्रेस दोनों ने ही अपनी-अपनी राजनीतिक किलेबंदी और राजनीतिक व्यूह रचना आरंभ कर दी है।

कांग्रेस का गुटीय संघर्ष अब सतह पर दिखने लगा है। छत्तीसगढ़ के सृजन काल से ही कांग्रेस अपने आपसी मतभेदों व गुटीय संघर्षों की साक्षी रही है। कभी अजीत जोगी और विद्याचरण शुक्ल के बीच, तो अब भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के मध्य।जिसके पीछे मुख्यमंत्री का पद ही एक कारण है। अर्थात छत्तीसगढ़ कांग्रेस में मुख्यमंत्री का पद सदैव से एक अनार सौ बीमार का पर्यायवाची रहा है। कांग्रेस में यह गुटीय संघर्ष उसका आनुवंशिक गुणधर्म है, जिसकी कोख 1907 का सूरत अधिवेशन है। इसीलिए भूपेश और सिंहदेव के मध्य एकाधिकारात्मक अंतर्कलह का वर्चस्व तंत्र चिर चंचल है।

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का मूल स्वरूप वंशवादी और परिवारवादी है, इसीलिए कांग्रेस का सर्वोच्च नेतृत्व सास न नन्दी आप ही अनन्दी का पर्याय है। इसके अतिरिक्त वह बौद्धिक संकीर्णता, विवेकहीनता व ठकुरसुहाती सुनने का भी आदी है।जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस में योग्यताएं चाटुकारिता की बंदी बन गई है। यही स्थिति बूथ से लेकर केंद्र तक एकरूप में है।कांग्रेस के वंशवादी नेतृत्व द्वारा अपने को चुनौतीविहीन रखने और आत्मकेंद्रित होने से शेष प्रदेशों में कांग्रेस आंतरिक वर्चस्ववादी व स्व-भक्षी राजनीति का शिकार हो रही है। अतीत से लेकर वर्तमान तक खारून (भूपेश) और रेण (सिंहदेव) एक दूसरे के प्रति संघर्षरत हैं। जिसे देखकर लगता है छत्तीसगढ़ कांग्रेस उरोबोरोस पॉलिटिक्स या ऑटोफेजिक पॉलिटिक्स का शिकार हो चुकी है। जिसका सहज लाभ फीनिक्स पॉलिटिक्स के रूप में भाजपा को मिलता है। डॉ. रमन सिंह का तीन बार लगातार मुख्यमंत्री बनने का एक कारण कांग्रेस की उरोबोरोस या ऑटोफेजिक पॉलिटिक्स ही रही। हालांकि डॉ. रमन सिंह एक दीर्घ राजनीतिक अनुभव के साथ कुशल, योग्य व होने के अतिरिक्त जनप्रिय भी हैं।

छत्तीसगढ़ में टीएस सिंहदेव कांग्रेस के ऐसे सारथी हैं जिनके रथ से कूदकर पक्ष बदलने वाले कई युयुत्सु हैं।पूर्व के कथित ढाई-ढाई साल के फामूर्ले के असफल होने पर छत्तीसगढ़ में जय-वीरू की मित्रता अब मित्र-प्रतिद्वंद्विता से कहीं अधिक काकोलूकियम में परिवर्तित हो गई है। प्रायः यह देखा गया है कि सिंहदेव से रूष्ट नेता भूपेश की ओर और भूपेश से नाराज नेता सिंहदेव की ओर पलायन कर जाते हैं, और वे ऐसे नेताओं को एक दूसरे के प्रति राजनीतिक व्यूह के रूप में उपयोग करते देखे गए हैं। भूपेश बघेल के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का विधायक देवेंद्र के विरुद्ध टवीट - बाप आखिर बाप होता है। यदि भूपेश के ओएसडी के बयान को गुरु गुड़ रहेगा और चेला शक्कर हो जाएगा के नजरिए से देखें तो घमासान निकटस्थ दिखाई पड़ता है। दूसरी ओर अंबिकापुर में निर्धारित प्रोटोकॉल को तोड़ते हुए प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज का सिंहदेव के रथ से अचानक उतरकर स्वागत करवाने चला जाना और सिंहदेव की बैज से नाराजगी बहुत कुछ बयां कर देती है। कांग्रेस के दिगज्ज ही कांग्रेस की नाक पर सुपाड़ी फोड़ रहे हैं।भूपेश और सिंहदेव की एक दूसरे के प्रति राजनीति, शंका डायन और मनसा भूत जैसी ही है।

यद्यपि सिंहदेव के व्यक्तित्व को छत्तीसगढ़ की राजनीति में अस्वीकृत नहीं किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में भूपेश, सिंहदेव से बीस ही दिखाई पड़ते हैं, अपने पूर्व समर्थक विधायक देवेंद्र यादव को राष्ट्रीय सचिव पद से मुक्त कर नई नियुक्तियों में अपने मनपसंद पूर्णचंद पाढ़ी और नरेश ठाकुर को राष्ट्रीय सचिव बनवाकर भूपेश ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस में अपने जलवा जलाल को दिखा दिया है। यद्यपि सिंहदेव ने 2013 कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा का संगठनात्मक संचालन किया और उन्हीं के बनाए गए घोषणा पत्र की बुनियाद पर कांग्रेस ने 2018 में विस्फोटक जीत के साथ सरकार भी बनाई। फिर भी विपक्षी विधायक और नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें कभी रमन कैबिनेट का तेरहवां मंत्री भी कहा जाता था। राजनीति में दूरी और निकटता देखकर व्यवहार करने वाला ही कुशल नीतिज्ञ होता है? जबकि भूपेश के साथ ऐसा नहीं है।

हर्षोल्लास से मना एसईसीएल का 42वां स्थापना दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) का 42वां स्थापना दिवस बुधवार 25 नवंबर को कंपनी मुख्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह में सीएमडी हरीश दुहन मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार, निदेशक (तकनीकी-संचालन) रमेश चंद्र महापात्र एवं निदेशक (तकनीकी-योजना/परियोजना) नृपेंद्र नाथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में



सीएमडी ने शहीद स्मारक, डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा एवं श्रमिक प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद ध्वजारोहण, कॉपोरेट गीत एवं गुब्बारों के विमोचन के साथ उत्सव मनाया गया। अपने संबोधन में सीएमडी हरीश दुहन ने कहा कि राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारा सर्वोपरि दायित्व है। पूर्व नेतृत्व एवं कोयला कर्मवीरों के योगदान को याद करते हुए उन्होंने टीम एसईसीएल से सामूहिक प्रयासों से लक्ष्यों को हासिल करने का आह्वान किया। समारोह में पूर्व सीएमडी एम.एन. झा, एम.के. थापर, एम.पी. दीक्षित, ए.के. सिंह, ओम प्रकाश, बी.आर. रेड्डी, प्रेम सागर मिश्रा सहित कई पूर्व निदेशक उपस्थित रहे। ह्यज्ञान साझा सत्रह्व में पूर्व नेतृत्व ने अपने अनुभव साझा किए और कंपनी की विकास यात्रा, चुनौतियों एवं भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। सायंकाल वसंत विहार खेल मैदान में आयोजित ह्यसीएमडी अवॉर्ड्स नाइटह्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं विशेष योगदान के लिए कुल 13 पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें स्वच्छता पखवाड़ा 2026, विशेष अभियान 6.0, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय महाप्रबंधक, सर्वश्रेष्ठ विभागाध्यक्ष, व्यक्तिगत उत्कृष्टता पुरस्कार शामिल रहे। सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में श्रद्धा महिला मंडल को भी सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने संभाग स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक तैयारियों की समीक्षा की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। सरगुजा ओलम्पिक 2026 का आयोजन 27 से 29 नवम्बर तक अम्बिकापुर में होगा। शुभारंभ 27 नवम्बर को पीजी कॉलेज मैदान में होगा, जबकि 29 नवम्बर को समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में बैठक लेकर अंतिम तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पीजी कॉलिज ग्राउण्ड, गांधी स्टेडियम और राजमोहिनी देवी



कृषि महाविद्यालय में प्रतियोगिताएं होंगी। मंच, पार्किंग, सुरक्षा, पेयजल, भोजन, चिकित्सा सुविधा और आवागमन की व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।11 खेल विधाओं में कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, कुश्ती, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स समेत प्रतियोगिताएं होंगी। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में कुल 2552 खिलाड़ी, कोच एवं मैनेजर शामिल होंगे, जिनमें 1176 महिला और 1328 पुरुष खिलाड़ी हैं।

क्रेटा और बाइक की भिड़ंत मे दो युवक गंभीर रूप से घायल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। रामानुजगंज नगर के रामचंद्रपुर मार्ग पर छतरपुर मोड़ के पास क्रेटा कार और बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवक उछलकर करीब 15 फीट दूर सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरे। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बाइक के दो टुकड़े हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल रामानुजगंज के 100 बिस्तर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के



अनुसार यह सड़क दुर्घटना सुबह करीब 11 बजे हुई। ठेकेदार मनोज दुबे क्रेटा कार से रामानुजगंज से रामचंद्रपुर की ओर जा रहे थे। वहीं, सनावल निवासी 22 वर्षीय सूरज सिंह और 22 वर्षीय ब्रह्मदेव सिंह बाइक पर सवार होकर सनावल से तातापानी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रामचंद्रपुर मार्ग पर छतरपुर मोड़ के पास दोनों वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने दोनों घायल युवकों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। दुर्घटना में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके दो टुकड़े हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। दुर्घटना की भयावहता के बीच राहत की बात यह रही कि दोनों युवकों के सिर में चोट नहीं आई। हालांकि, शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें लगने के कारण दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने दुर्घटना के लिए बाइक सवार युवकों की गलती होने की बात कही है। हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार था।

नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

सड़कों पर घूम रहे मवेशियों से नागरिकों की सुरक्षा पर खतरा - राजेंद्र श्रीवास्तव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। रामचंद्रपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के मंडल अध्यक्ष राजेंद्र श्रीवास्तव ने रामानुजगंज नगर पालिका क्षेत्र में सड़कों पर खुलेआम घूम रहे मवेशियों की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नगर की सड़कों पर घूम रहे मवेशियों के कारण आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। हाल ही में शादी समारोह में शामिल होने गई एक महिला आवारा पशु के धक्के से सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। इस हादसे में उनके कूल्हे की हड्डी में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया। यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि पशुओं को खुले में छोड़ने



की लापरवाही और जिम्मेदार विभागों की उदासीनता का भी परिणाम है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि सड़कों पर घूमने वाले बेजुबान पशु स्वयं आवारा नहीं हैं। असली जिम्मेदार वे पशुपालक हैं, जो दूध और सेवा के नाम पर पशुओं को पालते हैं, लेकिन बाद में उन्हें सड़कों पर खुला छोड़कर अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले के कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी द्वारा सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों की समस्या को लेकर कड़े निर्देश दिए जाने के बावजूद लगभग एक माह बीतने के बाद भी नगर पालिका की संयुक्त टीम की प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? क्या आम नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल नहीं है?

अब केवल आश्वासन नहीं, ठोस कार्रवाई की जरूरत

नगरवासियों की मांग है कि नगर पालिका प्रशासन तत्काल विशेष अभियान चलाकर सड़कों से खुले मवेशियों को हटाए। साथ ही ऐसे पशुपालकों की पहचान की जाए, जो अपने पालतू पशुओं को सड़कों पर छोड़ देते हैं। उनके विरुद्ध नियमानुसार जुर्माना लगाने के साथ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाए।

सुरक्षित आवागमन प्रत्येक नागरिक का अधिकार

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि सुरक्षित आवागमन प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। किसी परिवार की खुशियां एक छोटी सी लापरवाही के कारण अस्पताल और इलाज की चिंता में बदल जाएं, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी?

अब नगर पालिका प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

आयुर्वेद एवं स्वस्थ जीवनशैली पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। पीएमश्री सेजेस रामानुजनगर में विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उद्देश्य से कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए आयुर्वेद एवं स्वस्थ जीवनशैली विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. श्याम सुंदर साहू उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेद की महत्ता एवं दैनिक जीवन में उसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जो स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मन के महत्व पर जोर देती है। डॉ. साहू ने विद्यार्थियों को



संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित दिनचर्या, योग, प्राणायाम, व्यायाम, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा पर्याप्त नींद के महत्व से अवगत कराया। साथ ही स्वस्थ रहने के लिए अच्छी आदतों को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्वास्थ्य जागरूकता विकसित करने तथा उन्हें बेहतर एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही। कार्यक्रम का आयोजन संस्था की हेल्थ केयर प्रभारी श्रीमती अर्चना गुप्ता द्वारा किया गया।

सरगुजा के युवाओं को बड़ी सौगात, अंबिकापुर में खुलेगा महेंद्रा कोचिंग सेंटर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर एवं व्यवस्थित तैयारी का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अंबिकापुर में महेंद्रा कोचिंग का नया केंद्र शुरू होने जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से बैंकिंग, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे सहित छत्तीसगढ़ राज्य की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण तैयारी कराई जाएगी। महेंद्रा कोचिंग की अंबिकापुर शाखा कृष्णा आभा भवन, नमनाकला, रिंग रोड में संचालित होगी। यहां विद्यार्थियों को केंद्र एवं राज्य स्तर की विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं के अनुरूप पाठ्यक्रम, नियमित कक्षाओं, अभ्यास एवं मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।



केंद्र एवं राज्य स्तरीय परीक्षाओं की होगी तैयारी

संस्थान में बैंकिंग परीक्षाओं के अंतर्गत सभी पोस्ट के लिए तथा बैंक क्लर्क भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। वहीं कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी होगी। रेलवे भर्ती के अंतर्गत आयोजित होने वाली परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाएगी। छत्तीसगढ़ की प्रतियोगी परीक्षाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल की सहायक ग्रेड-2 एवं 3, डाटा एंट्री ऑपरेटर, शीघ्रलेखन, स्टेनोग्राफर, शिक्षक भर्ती, सहायक निरीक्षक, छात्रावास अधीक्षक, पटवारी सहित अन्य विभागीय पदों की परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ टेट, बीएड, डीएलएड तथा राज्य की अन्य शिक्षक पात्रता एवं शिक्षक भर्ती परीक्षाओं के लिए भी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक अध्ययन सुविधाएं

महेंद्रा कोचिंग में विद्यार्थियों की तैयारी को प्रभावी बनाने के लिए अनुभवी एवं विषय विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन, नियमित कक्षाएं, व्यवस्थित पाठ्यक्रम, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन टेस्ट सीरीज तथा नियमित मॉक टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। इसके साथ ही डिजिटल नोट्स एवं प्रैक्टिस सेट, डाउट क्लास, समस्या समाधान सत्र, विषयवार अध्ययन सामग्री, वीडियो क्लास एवं ऑनलाइन शिक्षण सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यार्थियों की प्रगति का समय-समय पर मूल्यांकन कर उनकी कमजोरियों को दूर करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

स्थानीय युवाओं को मिलेगा बेहतर अवसर

संस्थान का उद्देश्य सरगुजा संभाग एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता कम करने में सहायता करना है।

चिंतन

हठ छोड़कर ही चल सकता है गठबंधन

राजनीति में गठबंधन केवल हाथ मिलाने या मंच साझा करने से नहीं चलते, इसके लिए सहयोगियों को अपनी महत्वाकांक्षाओं, पुराने मतभेदों और राजनीतिक जिद से ऊपर उठना पड़ता है। पंजाब में छह साल बाद भाजपा और शिरोमणि अकाली दल का फिर साथ आना इसी राजनीतिक जरूरत का संकेत है। दोनों दलों ने अतीत की कड़वाहट भुलाकर आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने का फैसला किया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन तथा सीट बंटवारे की कवायद ने भी यही संदेश दिया कि भाजपा जैसी मजबूत राजनीतिक ताकत का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों को आपसी तालमेल बनाना होगा। भाजपा ने दिखा दिया कि कई बार गठबंधन धर्म निभाने के लिए झुकना भी पड़ता है और 'नोट भी बट यू' का रास्ता भी अपनाना पड़ता है। पंजाब में भाजपा और अकाली दल का रिश्ता नया नहीं है। दोनों दलों ने 1997, 2007 और 2012 में मिलकर सरकार बनाई। लंबे समय तक यह गठबंधन राज्य की राजनीति का मजबूत स्तंभ रहा, लेकिन सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर अकाली दल ने एनडीए से नाता तोड़ लिया। इसके बाद दोनों दलों के रास्ते अलग हो गए। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में दोनों को इसका राजनीतिक नुकसान भी उठाना पड़ा। 117 सीटों वाले पंजाब विधानसभा में अकाली दल केवल तीन और भाजपा दो सीटों पर सिमट गई। अब छह साल बाद दोनों दलों का फिर साथ आना इस बात का संकेत है कि राजनीतिक परिस्थितियां और चुनावी जरूरतें पुराने फैसलों पर पुनर्विचार के लिए मजबूर करती हैं। इस गठबंधन में सबसे महत्वपूर्ण बात भाजपा की ओर से अकाली दल को बड़े भाई की भूमिका स्वीकार करना और अकाली नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने की घोषणा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह आश्वासन बताता है कि भाजपा ने पंजाब की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों को समझते हुए क्षेत्रीय सहयोगी की अहमियत स्वीकार की है। पंजाब में अकाली दल का अपना परंपरागत जनाधार और सिख समुदाय के बीच राजनीतिक प्रभाव रहा है। भाजपा के लिए इस आधार का महत्व है, जबकि अकाली दल के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का संगठनात्मक और राजनीतिक समर्थन उपयोगी हो सकता है। हालांकि, सीटों के बंटवारे का सवाल अभी बाकी है। यहीं दोनों दलों की राजनीतिक समझ और उदारता की असली परीक्षा होगी। वहीं, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन का अनुभव भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। हालांकि यहां दोनों दलों में सीट शेयरिंग को लेकर खींचतान जारी है। कांग्रेस जहां 126 सीटें मांग रही है, वहीं सपा उसे सिर्फ 26 सीटें देने पर ही राजी है। चुनावी राजनीति में कोई भी दल केवल अपनी शर्तों पर गठबंधन को सफल नहीं बना सकता। बड़े दल को छोटे सहयोगी की राजनीतिक जमीन का सम्मान करना पड़ता है और छोटे दल को भी अपनी सीटों की मांग को व्यावहारिक रखना होता है। उत्तर प्रदेश का अनुभव हो या पंजाब की नई राजनीतिक पहल, संदेश एक ही है कि गठबंधन में बराबरी का सम्मान और आपसी भरोसा जरूरी है। राजनीति में स्थायी दोस्त और दुश्मन भले न हों, लेकिन स्थायी महत्व सहयोग और समझदारी का ही होता है। इसलिए हठ छोड़कर ही गठबंधन चल सकता है और यही उसकी चुनावी सफलता की पहली शर्त भी है।



त्रिपक्षीय बैठक

प्रो.(डॉ.) मनोज दयाल

शेनझेन में दिखाई दी भारत की छाप

दुनिया की तीन सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों अमेरिका, रूस और चीन के शीर्ष नेताओं का एक मेज पर आना वैश्विक कूटनीति की असाधारण घटना है। चीन के शेनझेन में डोनाल्ड ट्रंप, व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग की 70 मिनट की बैठक ने बदलते विश्व शक्ति संतुलन और शांति की नई संभावनाओं को सामने रखा। परमाणु युद्ध के खतरे, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे मुद्दों पर बनी सहमति ने संवाद को टकराव से ऊपर रखने का संदेश दिया। इस पूरे घटनाक्रम में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवादपरक नीति की अप्रत्यक्ष भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सवाल है कि क्या यह मुलाकात नई वैश्विक व्यवस्था की शुरुआत बनेगी?

अद्भुत..! विलक्षण..! नया वैश्वीकरण..! भारत की अप्रत्यक्ष सकारात्मक भूमिक..! चीन के शेनझेन की किलिन विला में त्रिपक्षीय बैठक..! 70 मिनट की बैठक ने दुनिया को बता दिया- अब शांति की भाषा ही सबसे बड़ी कूटनीति है..! इतिहास में कुछ तस्वीरें सिर्फ तस्वीरें नहीं होतीं। वे युग की दिशा बदल देती हैं। 19 नवंबर 2026 को चीन के शेनझेन शहर में खिंची एक ऐसी ही तस्वीर दुनिया के सामने आई। एक गोल मेज के चारों ओर तीन नेता बैठे थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन। यह पहली बार था। दुनिया की तीन सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के शीर्ष नेता एक साथ, एक मंच पर, आमने-सामने बैठे थे। बैठक मात्र 70 मिनट चली। लेकिन उसके बाद जारी चार सूत्री 'शांति की ओर घोषणा'ने पूरी दुनिया को चौंका दिया। घोषणा में कहा गया- परमाणु युद्ध जीता नहीं जा सकता और उसे कभी लड़ा नहीं जाना चाहिए।

ट्रंप ने बैठक की शुरुआत में कहा, हम वास्तव में इतिहास बना रहे हैं। पुरानी शैली में बातचीत से इनकार करके कोई समस्या कभी हल नहीं हुई। यह वाक्य ही इस बैठक का सार था। इस पूरी प्रक्रिया में मोदी सरकार पर्दे के पीछे के नायक के रूप में अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सार्थक व सकारात्मक भूमिका निभाई है। इस बैठक में भारत मेज पर नहीं था। पर भारत की छाया मेज पर जरूर थी। और यही भारत की कूटनीति की सबसे बड़ी सफलता है। बिना मंच पर आए ही, मंच की दिशा को प्रभावित करना। याद कीजिए 2022 का वह दौर। उस वक्त यूक्रेन युद्ध के चरम पर रूस द्वारा सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका से दुनिया कांप रही थी। तब पोलैंड के उप विदेश मंत्री ने खुलासा किया था कि पुतिन को दो फोन कॉल आए थे- एक चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का और दूसरा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का। दोनों ने कहा था कि न तो चीन और न ही भारत इस युद्ध का समर्थन करते हैं। जब रूस के दो मित्र देशों ने कहा - हमत करोह, तब पुतिन ने कदम पीछे खींचा।यही वह अप्रत्यक्ष भूमिका है, जो शेनझेन तक आते-आते और मजबूत हुई। भारत ने कभी किसी एक गुट का पिछलग्गू बनना स्वीकार नहीं किया। उसने रूस से ऊर्जा और रक्षा संबंध बनाए रखे, अमेरिका के साथ क्वाड और तकनीक की साझेदारी बढ़ाई, और चीन के साथ सीमा विवाद के बावजूद संवाद का दरवाजा बंद नहीं किया। विश्लेषकों का मानना है कि भारत की यही रणनीतिक स्वायत्तता तीनों महाशक्तियों को यह संदेश देती रही कि दुनिया सिर्फ तीन राजधानियों से नहीं चल सकती। भारत ने हर मंच पर - जी-20, ब्रिक्स, एससीओ, संयुक्त राष्ट्र - एक ही बात दोहराई: ह्यह युद्ध का युग नहीं है। यह संवाद और कूटनीति का युग है।ह यही वाक्य आज शेनझेन की घोषणा की प्रस्तावना बन गया। भारत ने प्रत्यक्ष मध्यस्थता का दावा नहीं कियापर उसने वह नैतिक दबाव बनाया, जिसके बिना परमाणु जोखिम को कम करने की बात शायद मेज तक पहुँचती ही नहीं। भारत का रोल पर्दे के पीछे के सूत्रधार का था- जो दिखता नहीं, पर जिसके बिना नाटक पूरा नहीं होता। इस नव निर्मित मंच पर एक नया वैश्विक समीकरण बनता हुआ प्रतीत होता



है।शेनझेन को कई लोग नए याल्टा से जोड़ रहे हैं। 1945 में याल्टा में अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ ने मिलकर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की दुनिया का नक्शा खींचा था। ट्रंप ने खुद कहा कि यह बैठक ह्यालटा से भी बड़ीह है। लेकिन शेनझेन याल्टा नहीं है। याल्टा में दुनिया बाँटी गई थी। शेनझेन में दुनिया को बांटने से रोकने की कोशिश हुई है। अब समीकरण बदल रहा है। अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही, जहां अमेरिका अकेला फैसला करता था। न ही वह शीत युद्ध वाली द्विध्रुवीय दुनिया है। अब यह त्रिध्रुवीय- और उसके पार बहुध्रुवीय- दुनिया है। अमेरिका, चीन और रूस तीनों जानते हैं कि कोई भी अकेला दुनिया को नियंत्रित नहीं कर सकता। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार घोषणा में चार बातें तय हुईं। पहला, संयुक्त राष्ट्र में सुधार। दूसरा,परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाना। तीसरा,अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के अधिकार क्षेत्र के दुरुपयोग को रोकना और चौथा, परमाणु जोखिम कम करना। इनमें से हर बिंदु एक नए समीकरण की ओर इशारा करता है। संयुक्त राष्ट्र सुधार का अर्थ है- 1945 वाली व्यवस्था अब 2026 की दुनिया को नहीं संभाल सकती। ऊर्जा आपूर्ति का अर्थ है- युद्ध के बावजूद दुनिया को ईंधन चाहिए। और भारत जैसे बड़े रिफाइनिंग देशों के लिए यह महत्वपूर्ण संकेत है। आईसीसी पर सहमति का अर्थ है - तीनों महाशक्तियाँ अब अपने ऊपर किसी बाहरी अदालत का अंकुश नहीं मानेंगी। इसलिए भारतीय विदेश नीति के विश्लेषकों का विचार है कि दिल्ली को अपनी ताकत बढ़ानी होगी। घरेलू उद्योग, तकनीक और रक्षा क्षमता ही असली कूटनीति है। इस मंच से यह तो स्पष्ट होता दिख रहा है कि महाशक्तियां चाहती हैं कि परमाणु युद्ध कभी नहीं होना चाहिए। यह इस घोषणा का सबसे मानवीय और सबसे प्रेरणादायी हिस्सा है। क्यों? क्योंकि परमाणु युद्ध में कोई 'सीमित युद्ध' नहीं होता। हिरोशिमा और नागासाकी ने दुनिया को दिखा दिया था कि एक बम एक शहर को मिटा सकता है। आज के बम उन बमों से 50 से 100 गुना अधिक शक्तिशाली हैं। अमेरिका के पास करीब 5,177, रूस के पास 5,459 और चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास भी करीब 180 हथियार हैं। अगर इनमें से एक भी चला, तो वह सिर्फ एक देश को नहीं, पूरी मानवता को नष्ट कर देगा। परमाणु सर्दी, विकिरण, फसलों का नाश, महामारी - यह सब किसी एक देश की सीमा में नहीं रहेगा। इसीलिए शी जिनपिंग ने परमाणु हथियारों के पूर्ण प्रतिबंध और नाश की बात कही। ट्रंप ने कहा कि दुनिया को सिर्फ 10 बमों की जरूरत है। 4,000 की नहीं। पुतिन ने कहा कि तीनों देशों को द्वितीय विश्व युद्ध के विजेताओं के रूप में शांति बनाए रखने की साझा जिम्मेदारी है। अधिकांश विशेषज्ञों का मानना है कि यह बैठक अमेरिका की बजाय चीन व रूस के लिए अधिक लाभदायक होगी। इसके तीन कारण हैं। पहला, मेजबानी का लाभ चीन को। बैठक चीन की धरती पर हुई। शी जिनपिंग मेजबान थे। दुनिया ने देखा कि अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति चीन आए। चीन उनके पास नहीं गया। इससे चीन की छवि एक वैश्विक शांतिदूत और बराबरी के महाशक्ति के रूप में मजबूत हुई। शेनझेन ने हमें एक प्रेरणा दी है - दुश्मन भी अगर एक मेज पर बैठ जाएं, तो दुनिया बच सकती है। भारत की अप्रत्यक्ष भूमिका ने इस मेज को मजबूत किया है। अब जरूरत है कि यह मेज टूटे नहीं। यह संवाद रुके नहीं। क्योंकि जब तक बात हो रही है, तब तक बम नहीं चलेंगे।और यही इस सदी की सबसे बड़ी आशा है।

(लेखक गुलामऊ तहसील एक्सलेंसिया विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा



भय के माहौल में जी रही है आधी आबादी

अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस हर साल 25 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हम ऐसे समय मना रहे है जब महिलाएं लगातार हिंसा की शिकार हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है वैश्विक प्रयासों के बावजूद इस दिशा में कोई सार्थक सुधार परिलक्षित नहीं हुआ है। भारत जैसे देश में आज भी आधी आबादी दोयम दर्जे से बाहर निकलने के लिए भरसक प्रयास कर रही है। हमारे कर्णधार नेता महिलाओं के खिलाफ अनाप शनाप बयान गाहे बगाहे देते रहते है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा की भयावह तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लगभग तीन में से एक महिला, यानी करीब 84 करोड़ महिलाओं ने अपने जीवनकाल में कभी न कभी यौन हिंसा का शिकार होने का दर्द झेला है। यह आंकड़ा मानवता के सबसे पुराने और व्यापक अन्याय को उजागर करता है, जिस पर अभी भी पर्याप्त कार्रवाई नहीं हो रही है। रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि पिछले एक वर्ष में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र की 31.6 करोड़ महिलाओं और लड़कियों को उनके इंटीमेट पार्टनर द्वारा शारीरिक या यौन हिंसा का सामना करना पड़ा। यह संख्या वैश्विक स्तर पर इस आयु वर्ग की सभी महिलाओं और लड़कियों के 11% के बराबर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा मानवता की सबसे पुरानी और सबसे व्यापक त्रासदियों में से एक है, फिर भी इस पर सबसे कम कार्रवाई की जाती है। कोई भी समाज खुद को निष्पक्ष, सुरक्षित या स्वस्थ नहीं कह सकता जब तक कि उसकी आधी आबादी भय के माहौल में जी रही हो। इस हिंसा को समाप्त करना केवल नीतिगत मामला नहीं है; यह सम्मान, समानता और मानवाधिकारों का मामला है। भारत की बात करें तो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में साल 2024 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4,41, 534 मामले दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक, देश में औसतन हर घंटे महिलाओं के खिलाफ करीब 50 मामले दर्ज हुए। वहीं दुष्कर्म का एक मामला हर 18 मिनट में दर्ज किया गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा मामले पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के रहे। ऐसे कुल 1,20,227 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा महिलाओं के अपहरण और किडनैपिंग के 67,829 मामले तथा पॉक्सो एक्ट के तहत 67,809 मामले दर्ज हुए। महिलाओं की मर्यादा भंग करने की नीयत से हमले के 48,303 मामले सामने आए। वहीं, दुष्कर्म के 29,536 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा यौन उत्पीड़न के 15,609, महिलाओं की मर्यादा का अपमान करने के 9,241 और कपड़े उतारने की नीयत से हमले के 8,409 मामले दर्ज हुए। भारत को संस्कार, संस्कृति और मर्यादा की त्रिवेणी कहा जाता है। भारतीय संस्कृति में नारी अस्मिता को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता। अर्थात जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। मगर आज सब कुछ उल्टा पुल्टा हो रहा है। न नारी की पूजा हो रही है और देवताओं की जगह सर्वत्र राक्षस ही राक्षस दिखाई दे रहे है। आजकल रोज प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म और छेड़छाड़ की खबर दिखाई जाती रहती है परंतु इसकी रोकथाम के उपाय पर चर्चा कहीं नहीं होती है। इस तरह के अत्याचार कब रुकेंगे। क्या हम सिर्फ मूक दर्शक बन खुद की बारी का इंतजार करेंगे। लड़कियों पर अत्याचार पहले भी हो रहे थे और आज भी हो रहे हैं अगर इसके रोकने के कोई ठोस उपाय नहीं किये गए। आज भी हमारे समाज में बलात्कारी सीना ताने खुले आम घूमता है और बेकसूर पीड़ित लड़की को बुरी और अपमानित नजरों से देखा जाता है। न तो समाज अपनी जिम्मेदारी का माकूल निर्वहन कर रहा है और न ही सरकार। ऐसे में बालिका कैसे अपने को सुरक्षित महसूस करेगी यह हम सब के लिए बेहद चिंता की बात है। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुंचने की चिंता सताने लगती है। देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में कमी नहीं आ रही है। भारत में आए दिन महिलाएं हिंसा और अत्याचारों का शिकार हो रही हैं। घर से लेकर सड़क तक कहीं भी महिला सुरक्षित नहीं है। देश में महिला सुरक्षा को लेकर किये जा रहे तमाम दावे खोखले साबित हुए है। देश में महिलाओं की स्थिति पर हमेशा ही सवाल खड़े होते रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा के तमाम दावों और वादों के बाद भी उनकी हालत जस की तस है। महिलाएं रोज ही दुष्कर्म, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा और अत्याचार से रूबरू होती है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पहले कर्तव्य निभाएं, फिर करें हक की बात



सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

संकलित

दर्शन

प्रार्थना के बाद भी भगवान नहीं सुन रहे?



एक सेठ के घर के बाहर एक साधू महाराज खड़े होकर प्रार्थना कर रहे थे और बदले में खाने को रोटी मांग रहे थे। सेठानी काफी देर से उसको कह रही थी कि आ रही हूँ। रोटी हाथ में थी पर फिर भी कह रही थी कि रुको आ रही हूँ। साधू ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे और रोटी मांग रहे थे। सेठ ये सब देख रहा था पर समझ नहीं पा रहा था, आखिर सेठानी से बोला- रोटी हाथ में लेकर खड़ी हो, वो बाहर मांग रहे हैं, उन्हें कह रही हो आ रही हूँ तो उन्हें रोटी क्यों नहीं दे रही हो? सेठानी बोली- हाँ रोटी दूँगी, पर क्या है ना कि मुझे उनकी प्रार्थना बहुत अच्छी लग रही है, अगर उनको रोटी दे दूँगी तो वो आगे चले जायेंगे। मुझे उसकी प्रार्थना और सुननी है। यदि प्रार्थना के बाद भी भगवान आपकी नहीं सुन रहे हैं तो समझना कि उस सेठानी की तरह प्रभु को आपकी प्रार्थना प्यारी लग रही है, इसलिए इंतजार करो और प्रार्थना करते रहो। जीवन में कैसा भी दुःख और कष्ट आए पर प्रार्थना मत छोड़िए। क्या कष्ट आता है तो आप भोजन करना छोड़ देते हैं? क्या बीमारी आती है तो आप सांस लेना छोड़ देते हैं? नहीं ना? फिर जरा सी तकलीफ आने पर आप प्रार्थना करना क्यों छोड़ देते हो? कभी भी दो चीजें मत छोड़ियो। भोजन छोड़ दोगे तो जिंदा नहीं रहोगे और प्रार्थना छोड़ दोगे तो कहीं के नहीं रहोगे। सही मायने में जिंदगी में प्रार्थना और भोजन दोनों ही आवश्यक हैं।

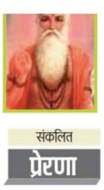

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन



आज की पाती

नवजात बच्चों पर ध्यान रखना जरूरी

हाल में खबरों में पढ़ने में आया कि राज्य में नवजात बच्चों को खरीदने-बेचने का काम चल रहा है। एक मामले में पुलिस विभाग ने एक आरोपी जितेंद्र खेताल को गिरफ्तार किया है, जो गैंग के खोंकर का काम करता था। इन खबरों को ध्यान में रखकर परिवार के सभी बड़े सदस्यों से अनुरोध है कि वे नवजात बच्चों की देखभाल में बहुत सावधानी बरतें। अगर वह घर से बाहर जा रहा है, तो उसे अकेला न जाने दें। अगर वह बच्चों के साथ बाहर खेल रहा है, तो घर का कोई सदस्य उस पर नजर रखे। स्कूल में बैठते समय और स्कूल से आते समय विशेष रूप से बच्चे पर ध्यान रखें। ड्राइवर और अटेंडेंट को भी सावधान नजर और सावधानी रखने कहें। -नरेंद्र शर्मा, गनलौर

ट्रेंड

सहयोग मजबूत करेंगे

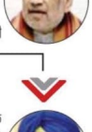

भारत और जर्मनी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। दोनों देश विश्व में शांति, स्थिरता व निवेशों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए भी आपसी सहयोग मजबूत करेंगे। -ओलेट मोदी, प्रधानमंत्री

पंजाब में मिलकर लड़ेंगे



पंजाब में दोनों दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। चुनाव जीतने के बाद अकाली दल का नेता ही मुख्यमंत्री बनेगा। इस गठबंधन के नेतृत्व में पंजाब खुद तरक्की करेगा। -अमित शाह, गृहमंत्री

इमोशनल गठबंधन



यह सिर्फ राजनीतिक गठबंधन नहीं है। यह इमोशनल गठबंधन है। मेरे पिता कहते थे कि यह नाखून-मांस का गठबंधन है। जितनी देर यह रहा पंजाब तरक्की पर रहा। पंजाब में शांति रही। यह रिश्ता मेरे पिताजी और अटल, आडवाणी जी ने बनाया था। यह पारिवारिक रिश्ता है। पंजाब को बचाने की जरूरत है। -सुखबीर सिंह बादल, शिअद अध्यक्ष

तो शिवलिंग कैसे बनेगा

जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर रोपवन समेत अक्षरधाम में बनने वाले शिवलिंग में बड़ी भूमिका निभाते हैं। अगर आप जम्मू-कश्मीर के पर्यावरण को इस तरह नाट करेंगे और वहां इतनी बड़ी मशीनें ले जाओगे, तो शिवलिंग कैसे बनेगा? फिर आप वहां शिवलिंग आओगे? ऐसे तो सब बर्बाद हो जाएगा। -महबूबा मुफ्ती, पीडीपी अध्यक्ष

करंट अफेयर

यूनान का सबसे पुराना संग्रहालय एथेंस के एक्रोपोलिस में फिर खुला

यूनान की एक्रोपोलिस पहाड़ी पर 1874 से स्थित देश का आधुनिक काल का सबसे पुराना संग्रहालय व्यापक जीर्णोद्धार और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस होने के बाद सोमवार को फिर से आम लोगों के लिए खोल दिया गया। पत्थरों से बनी इस छोटी इमारत पर अक्सर पर्यटकों का ध्यान नहीं जाता। यह संग्रहालय 2007 से आम लोगों के लिए बंद था। इसके तीन साल बाद यूनान गंभीर आर्थिक संकट की चपेट में आ गया था। संस्कृति मंत्री लीना मेंदोनी ने बताया कि सात साल तक चले जीर्णोद्धार कार्य पर 62 लाख यूरो (करीब 68 लाख अमेरिकी डॉलर) खर्च हुए। यह राशि सरकार से और निजी दान के जरिए मिली। संग्रहालय में अब ऐसी प्राचीन कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी, जिन्हें पहले कभी सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाया गया। इसके अलावा डिजिटल प्रदर्शनियों के जरिए स्मारकों के 2,500 साल पुराने इतिहास को दर्शाया जाएगा। यहां एक विशेष दीर्घा भी बनाई गई है, जहां संस्कृति मंत्रालय के विशेषज्ञ प्राचीन वस्तुओं के संरक्षण और जीर्णोद्धार का काम करेंगे। इस संग्रहालय की स्थापना 1874 में हुई थी।



ऑफ बीट

बुजुर्गों का मस्तिष्क नींद की कमी से बेहतर ढंग से निपटता है

आमतौर पर माना जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ साथ शरीर एवं मस्तिष्क की कार्यक्षमता कम होने लगती है, लेकिन एक नए शोध में दावा किया गया है कि स्वस्थ बुजुर्गों का मस्तिष्क युवाओं की तुलना में नींद की कमी का बेहतर ढंग से सामना कर सकता है। इसमें विशेष रूप से न्यूरोप्लास्टिसिटी पर ध्यान दिया गया। न्यूरोप्लास्टिसिटी मस्तिष्क की वह असाधारण क्षमता है, जिसके तहत वह अपने तंत्रिका संपर्कों को पुनर्गठित कर अनुभवों और परिस्थितियों के अनुसार खुद में बदलाव करता है। मस्तिष्क में यह क्षमता बचपन, किशोरावस्था और युवावस्था के शुरुआती वर्षों में सबसे अधिक सक्रिय रहती है। हालांकि, स्वस्थ मस्तिष्क में यह क्षमता जीवनभर बनी रहती है और बुजुर्गावस्था में भी उसमें महत्वपूर्ण बदलाव होते रहते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ मस्तिष्क को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें मस्तिष्क की बाहरी परत (कॉर्टेक्स) का पतला होना, मस्तिष्क के आकार में कमी, सफेद पदार्थ (व्हाइट मैटर) के तंत्रिका तंतुओं पर मौजूद सुरक्षात्मक आवरण का क्षतिग्रस्त होना और संज्ञानात्मक क्षमता में गिरावट शामिल हैं।

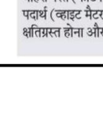

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अजय कुमार अग्रवाल आ०/पति जगदीश प्रसाद सुल्तानिया जाति, निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-खरसिया रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2825/3 रकबा 0.061/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 04.12.26 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 19.11.26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20 (1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका नर्वदेश्वर कुमार दुबे आ०/पति स्वामीनाथ दुबे जाति निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-चोपड़ापारा, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/50 रकबा 0.1 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-16.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांकः- 02.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व ससधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णानंद सिंह आ०राजेन्द्र बहादुर सिंह निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4557/61 रकबा 0. 027 हे0 मेसे रकबा 0.011 हे0 भूमि एवं उस पर निर्मित मकान को अनावेदक कोमल गोयल आप्रवीण कुमार अग्रवाल निवासी वार्ड नंबर 04 कोटेयापारा शिवनन्दनपुर विश्रामपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 के पास अंकन राशि रुपए 32,00,0000/- में बिक्री करने करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 14.12.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आजदिनांक 25/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन की एनएसए की आठवीं बैठक में बोले अजीत डोभाल

'हिंद महासागर' क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से ही आर्थिक समृद्धि संभव

तटीय देशों के साथ काम करने के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶ माले (मालदीव)

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बुधवार को कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच लगातार सहयोग की जरूरत है। डोभाल यहां कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की आठवीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का मकसद हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, संरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना था। एनएसए डोभाल ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र से समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित की जा सकेगी। हिंद महासागर क्षेत्र के हम सभी तटीय देश एक साझा समुद्री क्षेत्र रखते हैं। हम सभ्यता विरासत से भी जुड़े हैं। यह विरासत लंबे समय के इतिहास से बनी है। उन्होंने हिंद महासागर के आसपास के देशों के साझा समुद्री और सभ्यतागत संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि समुद्र देशों को जोड़ने का माध्यम बने रहने चाहिए। उन्हें देशों के बीच बंटवारे का कारण नहीं बनना चाहिए। बता दें, यह बैठक मालदीव में 24 से 26 नवंबर तक हो रही है। इसमें शामिल देश हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग पर चर्चा कर रहे हैं। बैठक में भारत, बांग्लादेश, मालदीव, मॉरीशस, श्रीलंका और सेशेल्स शामिल हैं।


एनएसए अजीत डोभाल

समुद्र देशों को जोड़ता है, बांटता नहीं

समुद्र की विरासत को बचाएं

डोभाल ने कहा कि इतिहास में समुद्र ने समुदायों और देशों को जोड़ा है। हमसे पहले की पीढ़ियों ने हमें यह विरासत दी कि समुद्र हमें जोड़ते हैं। आइए, हम भी अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐसी विरासत और परंपरा छोड़ें, जो उन्हें एक साथ बांधे। समुद्र के जरिये उन्हें अलग न करे। उन्होंने कहा कि नवंबर 2020 में कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन की स्थापना हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, संरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के हमारे साझा दृष्टिकोण पर आधारित थी। इस समूह ने काफी प्रगति की है। लेकिन अभी उसे लंबा सफर तय करना है।

क्षेत्रीय समूह को मजबूत करें

डोभाल ने क्षेत्रीय समूह को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता भी जताई। उन्होंने कहा कि भारत के लिए कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन हमारी पड़ोसी प्रथम और महासागर दृष्टिकोण का संगम है। यह सुरक्षा और विकास के क्षेत्रों में आपसी और समग्र प्रगति का प्रतीक है। हम बदलती और गंभीर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी सामूहिक क्षमताओं को बढ़ाने के वास्ते सम्मेलन के देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एक साल पहले जारी हुआ था घोषणा पत्र

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के सदस्य देशों ने 30 अगस्त 2024 को घोषणापत्र और सचिवालय की स्थापना से जुड़े समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। यह समारोह श्रीलंका सरकार की मेजबानी में कोलंबो में हुआ था। डोभाल ने भारत की ओर से इन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। मालदीव के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार इब्राहिम लतीफ, श्रीलंका में मॉरीशस के उच्चायुक्त हेमंडोयाल डिल्लम और श्रीलंका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सगला रत्नायके ने भी अपने-अपने देशों की ओर से हस्ताक्षर किए थे।

लोगों के हितों की रक्षा भी जरूरी

डोभाल ने कहा कि हिंद महासागर केवल क्षेत्र के देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि के लिए ही अहम नहीं है। यह वहां के लोगों के हितों और कल्याण की रक्षा के लिए भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमने एक बहुत ही शुरुआती विचार के साथ शुरुआत की थी कि हिंद महासागर हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम है। यह हमारी आर्थिक समृद्धि के लिए भी जरूरी है। यह मानवीय पहलू के लिए भी अहम है। इसका मतलब है कि इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों के हितों का ध्यान रखना।

मालदीव का जताया आभार

डोभाल ने बैठक की मेजबानी के लिए मालदीव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर की रणनीतिक अहमियत को लेकर शुरू हुआ विचार अब एक व्यवस्थित क्षेत्रीय मंच बन गया है। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मैं यहां मौजूद हूं और मालदीव सरकार के शानदार आतिथ्य का आनंद ले रहा हूं। मैं विशेष रूप से मालदीव के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का आभारी हूं। उन्होंने इस सम्मेलन के लिए बेहतरीन व्यवस्था की है। साथ ही हमें अपने विचार और राय साझा करने का अवसर दिया है। डोभाल ने अगस्त 2024 में कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के घोषणापत्र और सचिवालय की स्थापना से जुड़े समझौता ज्ञापन को अपनाए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने समूह को संस्थागत रूप देने की दिशा में हुई प्रगति का स्वागत किया।

साझा उद्देश्यों को पूरा करने के लिए तैयार

डोभाल ने भाग लेने वाले देशों को भारत के लगातार समर्थन का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि मैं यहां मौजूद आप सभी को भरोसा दिलाता हूं कि भारत यहां के साझेदार देशों में से एक के रूप में और कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन की पहल करने वाले देशों में से एक के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा। हम हर जरूरी मदद और सहायता देने की कोशिश करेंगे। हम अपने साझा उद्देश्यों को हासिल करने के लिए अपनी पूरी प्रतिबद्धता का भरोसा दिलाते हैं।

सहयोग के 5 प्रमुख क्षेत्र

समुद्री सुरक्षा और संरक्षा। आतंकवाद और कट्टरपंथ का मुकाबला। तस्करी और सीमापार संगठित अपराध से निपटना। साइबर सुरक्षा और अहम बुनियादी ढांचे तथा तकनीक की रक्षा। मानवीय सहायता और आपदा राहत।

पूर्व पीएम हसीना की वापसी पर बवाल

यूनुस के 100 बैंक शाखाओं पर उपद्रवियों ने किए हमले


बांग्लादेश में आगजनी की घटनाएं

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की वापसी की योजना को लेकर देश में एक बार फिर राजनीतिक अशांति भड़क उठी है। इस हिंसा का सबसे बड़ा निशाना नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस द्वारा स्थापित ग्रामीण बैंक बना है।

अगस्त 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद मुहम्मद यूनुस ने ही देश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व किया था।

10 नवंबर से अब तक बैंक की शाखाओं और कार्यालयों में आगजनी या आगजनी की कोशिश की 100 घटनाएं सामने आई हैं। मंगलवार को जारी बैंक के इंटरनल ऑडिट एंड कंप्लायंस डिवीजन की रिपोर्ट में देशभर में हुई उन घटनाओं का विवरण किया गया है।

मुहम्मद यूनुस ने मांगी मदद



मुहम्मद यूनुस ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे ग्रामीण बैंक के खिलाफ चल रही इस खोटी-समझी आगजनी और आतंक की मुहिम को रोकने में मदद करें। बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस संस्थान में करीब 21,000 कर्मचारी काम करते हैं और लगभग 1.1 करोड़ लोग इससे जुड़े हैं, जिनमें ज्यादातर ग्रामीण महिलाएं हैं। बैंक में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी खुद कर्ज लेने वाले सदस्यों की है।

40 बोरे रिकॉर्ड किए आग के हवाले

हाल की घटनाओं में मंगलवार तड़के हमलावरों ने लालमोनिरहाट और तंगैल स्थित शाखाओं पर पेट्रोल बम फेंके। लालमोनिरहाट की पटग्राम शाखा में रात करीब 2:45 बजे बरामदे पर एक पेट्रोल बम फेंका गया। नाइट गार्ड और शाखा प्रबंधक के शोर मचाने पर हमलावर वहां से भाग गए। रिपोर्ट के मुताबिक कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, हालांकि एक हैलोजन लाइट कुछ समय के लिए बंद हो गई।

सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े 30 वाहनों के चालान

जालौन। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत परिवहन विभाग ने सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ सघन प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन कर सड़क किनारे अनाधिकृत रूप से खड़े 30 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। इसके अलावा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर भी वाहनों के चालान किए गए। परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों ने अभियान के दौरान सड़क किनारे खड़े वाहनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की। अधिकारियों ने वाहन चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि सड़क किनारे अनाधिकृत रूप से वाहन खड़ा करने से यातायात बाधित होता है और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। परिवहन विभाग ने वाहन चालकों से अपील की कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क्र० -/अ-21 (5)/2028-2027
ग्राम: पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम नगर पालिका परिषद, पत्थलगांव को सूचित किया जाता है, कि आवेदक/विक्रेता अमरनाथ महतो पिता जगमोहन जाति कोयरी निवासी ग्राम/तहसील-पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम पत्थलगांव प०ह०नं० 06 रा०नि०म० / तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) में स्थित अपने स्वामित्व की व्यपवर्तित भूमि ख0नं0 1093/2/ड़ रकबा 0.019 हे० भूमि को अनावेदक/क्रेता मदन लाल अग्रवाल पिता जगत राम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम/तहसील-पत्थलगांव को पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से अन्तरण किये जाने की अनुमति प्रदाय करने हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त व्यपवर्तित भूमि को पंजीकृत दान-पत्र के माध्यम से अंतरण किये जाने की अनुमति के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनांक 30/11/2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०)
पत्थलगांव,

न्यायालय तहसीलदार, पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क्र० 3963/अ-6 (अ)/2026-27
ग्राम:-पत्थलगांव, तह०-पत्थलगांव, ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता नगर पालिका परिषद, पत्थलगांव को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राजू टोप्पो पिता बुधु टोप्पो जाति उरांव निवासी ग्राम पत्थलगांव (तिलडेगा रोड़) तहसील-पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा-115 छ०ग०भू०रा० संहिता 1959 प्रस्तुत कर निवेदन किया है, कि आवेदक के सामिलात हक की ग्राम-पत्थलगांव, प०ह०न० 06 रा०नि०म० / तहसील-पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) स्थित भूमि ख0न0 63/4 रकबा 0.385 हे० एवं कुल ख०न० 03 कुल रकबा 0.518 हे० राजस्व अभिलेखों दर्ज है। यह कि उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदक का वास्तविक नाम राजू पिता बुधू टोप्पो है, परन्तु त्रुटिवश आवेदक का नाम राजू पिता बुटू दर्ज हो गया है। तथा सहखातेदार का मु० फिलो पति बुटू दर्ज है। जबकि आवेदिका का वास्तविक नाम फीको टोप्पो बुधु टोप्पो जाति उरांव है। अतः आवेदित भूमि के राजस्व अभिलेखों पर आवेदक एवं उनके सहखातेदार का नाम राजू पिता बुधु टोप्पो एवं फीको टोप्पो पति बुधु टोप्पो सुधार किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ वर्तमान बी-1, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, किसान किताब की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त त्रुटि सुधार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज जो हो दिनांक-12.11.2026 तक अधोहस्ताक्षर कर्ता के न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात्प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०)

आरोपी मनप्रीत की जमानत याचिका खारिज

आतंकी शहजाद के इशारे पर लगे थे कैमरे, सेना पर रख रहे थे नजर

एजेंसी ▶▶ अंबाला

सेना की आवाजाही और गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अंबाला के राष्ट्रीय राजमार्ग-152 पर सिम आधारित सोलर कैमरे लगाए जाने के मामले में पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आया है।


एआई इमेज

जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी शहजाद भट्टी के इशारे पर उसके हडलर हसन गुज्जर न य कमर लगवाए थे। मामले में पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि पाकिस्तानी मूल का हसन गुज्जर अभी फरार है।

मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार बंसल की अदालत ने आरोपी पंजाब के तरनतारन जिले के पट्टी क्षेत्र निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ मन्नी (25) की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है।

भारत-नेपाल सैन्यअभ्यास 'सूर्य किरण' शुरू

8 दिसंबर तक सीखेंगे युद्ध और बचाव के गुर

काठमांडू। भारत और



नेपाल की सेनाओं के बीच बुधवार से संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' शुरू हो गया है। नेपाल के रुपन्देही जिले के सालझंडी स्थित नेपाल आर्मी बैटल स्कूल में हो रहे इस अभ्यास में दोनों देशों के जवान आपदा से निपटने, जंगलों में युद्ध लड़ने और जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने की ट्रेनिंग लेंगे। इस बार यह अभ्यास 8 दिसंबर तक चलेगा।

तेज रफ्तार एसयूवी ने स्कूटी सवार को पीछे से मारी टक्कर, कई मीटर तक घसीटा

संवाददाता

कानपुर। शहर में तेज रफ्तार वाहनों की लापरवाही लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। ऐसा ही एक मामला हरजिंदर नगर इलाके में सामने आया है, जहां एक स्कूटी सवार को पीछे से तेज रफ्तार एसयूवी ने जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ित का आरोप है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि कार उसे और उसकी स्कूटी को कई मीटर तक घसीटती चली गई। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं और स्कूटी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मदद के लिए पहुंची पुलिस पर मामले को रफा-दफा करने का दबाव बनाने का आरोप भी लगाया गया है। पीड़ित जसकीरत सिंह निवासी हरजिंदर नगर, कानपुर के मुताबिक, 11 नवंबर 2026 को दोपहर करीब तीन बजे वह जेके चौराहे से हरजिंदर नगर की ओर अपनी स्कूटी से जा रहा था।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०- /अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जय हनुमान इन्फ्रास्टेट प्रा०लि० अम्बिकापुर डायरेक्टर नैनीष अग्रवाल आ०स्व० अनिल कुमार अग्रवाल निवासी एम०जी०रोड चौधरी मोहरलाल कॉलोनी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम लब्जी स्थित भूमि खसरा नंबर 1678/5 रकबा 1.982 हे0 भूमि राजस्व अभिलेखो से मृत खातेदार श्री जय हनुमान इन्फ्रास्टेट प्रा०लि० अम्बिकापुर डायरेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल पिता ईश्वर चन्द्र अग्रवाल का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 30.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांकः- 12/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका चन्दारानी माईती आ०/पति स्व. परितोष माईती जाति निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-खुटेनपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 395, 396 रकबा 0.02, 0.17 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.12.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक- 17.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 16.12.2026, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
204151	05/व.ले.लि /2026-27 दिनांक 25.11.2026	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के कोड़ागी व्यपवर्तन योजना के नहरों के जीर्णोद्धार कार्य।	279.12	प्रथम आमंत्रण
204153	06/व.ले.लि /2026-27 दिनांक 25.11.2026	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के झिरियानाला (झरियानाला) स्टाप डेम योजना का निर्माण कार्य।	324.64	प्रथम आमंत्रण
204154	07/व.ले.लि /2026-27 दिनांक 25.11.2026	कौड़िया एनीकट योजना का निर्माण कार्य।	373.12	प्रथम आमंत्रण
204156	08/व.ले.लि /2026-27 दिनांक 25.11.2026	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खरला एनीकट योजना का निर्माण कार्य।	389.38	प्रथम आमंत्रण
204157	09/व.ले.लि /2026-27 दिनांक 25.11.2026	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खटम्बर व्यपवर्तन योजना के नहर के आर.डी. 3500 मी. से 14500 मी. तक नहर उन्नयन एवं सी.सी. चैनल निर्माण कार्य।	404.64	प्रथम आमंत्रण
204159	10/व.ले.लि /2026-27 दिनांक 25.11.2026	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के गुडरू व्यपवर्तन योजना के शीर्ष एवं नहर उन्नयन कार्य आर.डी. 6000 मी. से 10000 मी. तक एवं 1000 मी. वाटर कोर्स का निर्माण कार्य।	406.88	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 02.12.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोटः 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर, (छ.ग.)

जी 262704704/1

रेस्क्यू टीम ने किया दुर्लभ रेड सैंड बोआ सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सालों बाद दुर्लभ प्रजाति का रेड सैंड बोआ सांप देखा गया है। भाठागांव इलाके के एक घर में सांप मिलने की सूचना पर वाइल्डलाइफ रेस्क्यू सर्विस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने सावधानीपूर्वक सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया और बाद में उसे जंगल में छोड़ दिया। बोलचाल की भाषा में इस सांप को दोमुंहा या बिल खोदू सांप भी कहा जाता है। अपनी विशेष शारीरिक बनावट के कारण यह सांप अन्य प्रजातियों से अलग दिखाई देता है। मिली जानकारी के अनुसार भाठागांव स्थित एक घर में रेड सैंड बोआ सांप मिलने के बाद वाइल्डलाइफ रेस्क्यू सर्विस को इसकी सूचना दी गई थी। मौके पर पहुंची टीम ने सांप की पहचान करने के बाद उसे सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान सांप को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाया गया। इसके बाद उसे उसके अनुकूल प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया गया। रेड सैंड बोआ सांप को लेकर समाज में कई तरह के अंधविश्वास और भ्रांतियां प्रचलित हैं। इसकी पूंछ का हिस्सा भी सिर की तरह गोल दिखाई देता है। इसी शारीरिक बनावट के कारण लोगों को इसके दो सिर होने का भ्रम होता है और इसे दोमुंहा सांप कहा जाता है।



हालांकि, वास्तविकता में इस सांप का केवल एक ही सिर होता है। रेड सैंड बोआ विषहीन प्रजाति का सांप है। इसका स्वभाव सामान्यतः शांत होता है और यह अपना अधिकांश समय जमीन के अंदर या बिलों में बिताता है। जमीन के भीतर रहने की प्रवृत्ति के कारण ही इसे कई क्षेत्रों में बिल खोदू सांप के नाम से भी जाना जाता है। इस सांप की एक महत्वपूर्ण विशेषता पर्यावरण और कृषि के लिए इसकी उपयोगिता है। रेड सैंड बोआ मुख्य रूप से चूहों और अन्य छोटे जीवों को अपना आहार बनाता है। इससे खेतों और आसपास के क्षेत्रों में चूहों की संख्या नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। दूसरी ओर, रेड सैंड बोआ अंधविश्वास और भ्रामक प्रचार के कारण वन्यजीव तस्करों के निशाने पर भी रहता है। अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इसकी कीमत करोड़ों रुपये होने के दावे किए जाते हैं। हालांकि, ऐसे दावों की विश्वसनीय पुष्टि नहीं होती है। सांप से धन प्राप्ति और भाग्य बदलने जैसी मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। रेड सैंड बोआ जैसे वन्यजीवों का संरक्षण प्राकृतिक जैव विविधता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। किसी भी व्यक्ति को सांप मिलने पर उसे पकड़ने, बेचने अथवा नुकसान पहुंचाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। विषहीन होने के बावजूद किसी सांप को बिना प्रशिक्षण के पकड़ना सुरक्षित नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रशिक्षित एनिमल रेस्क्यू टीम या वन विभाग को तत्काल सूचना देना उचित है।

उपमुख्यमंत्री ने कोटा में 1.98 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन, विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने आज बिलासपुर जिले की नगर पालिका कोटा में 1 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन विकास कार्यों के माध्यम से नगर की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं और गणमान्य नागरिकों ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। नगर पालिका कोटा में प्रस्तावित विकास कार्यों के अंतर्गत नाली निर्माण, सीसी रोड निर्माण और शैक्षणिक संस्थानों में मंच एवं शेड निर्माण



के कार्य शामिल हैं। इन निर्माण कार्यों के पूरा होने से नगरवासियों को बेहतर आवागमन और जल निकासी की सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक वातावरण विकसित होगा।।1 करोड़ 98 लाख रुपये की राशि से नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सीसी सड़कों और नालियों का निर्माण कराया जाएगा। पक्की सड़कों के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। वहीं, नालियों के निर्माण से जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या को कम करने में व्यवस्थित नालियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। नगर की अधोसंरचना के विकास के साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार पर भी ध्यान दिया गया है। प्रस्तावित विकास कार्यों के तहत कन्या शाला में मंच और शेड का निर्माण कराया जाएगा। इससे विद्यालय में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शैक्षणिक गतिविधियों एवं अन्य आयोजनों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इसके अलावा डीकेपी शाला में भी शेड का निर्माण किया जाएगा। विद्यालय परिसर में शेड बनने से विद्यार्थियों को धूप और बारिश से बचाव के साथ विभिन्न सामूहिक गतिविधियों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सरोज साहू सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, पार्षदगण, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को मिला मुख्यमंत्री का संबल, उपचार के लिए मिली तत्काल आर्थिक सहायता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में उपचार के लिए आर्थिक सहायता की उम्मीद लेकर पहुंचे जरूरतमंदों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना और तत्काल मदद उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री ने आर्थिक कठिनाइयों के कारण उपचार कराने में असमर्थ तीन जरूरतमंदों को कुल 55 हजार रुपए की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री की इस पहल से जरूरतमंद परिवारों को उपचार कराने में राहत मिली है। जनदर्शन में रायपुर से अपने सात वर्षीय सुपुत्र मोहम्मद आवान के उपचार के लिए सहायता मांगने पहुंचे मोहम्मद आरिफ ने मुख्यमंत्री साय को अपनी आर्थिक परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनका बेटा



ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से प्रभावित है और उसकी नियमित थेरेपी में प्रतिमाह लगभग 40 हजार रुपए का खर्च आता है। दुर्घटना में चोटिल होने के बाद उनके पास वर्तमान में रोजगार का कोई साधन नहीं है। ऐसे में परिवार की आजीविका चलाने के साथ ही बच्चे की नियमित थेरेपी का खर्च वहन करना उनके लिए बेहद कठिन हो गया है। मुख्यमंत्री साय ने पिता की व्यथा को संवेदनशीलता के साथ सुना और आर्थिक कठिनाइयों के कारण उपचार कराने में असमर्थ हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आर्थिक सहायता का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री साय ने उनकी समस्या को सुनकर उपचार के लिए तत्काल 10 हजार रुपए का चेक प्रदान किया। रायपुर के फूल चौक निवासी 70 वर्षीय नरसिंह सोलंकी के उपचार के लिए भी मुख्यमंत्री ने आर्थिक सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री ने उनकी सुपुत्री सुश्री ऋषिका सोलंकी को 5 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। आज जनदर्शन में जरूरतमंदों की समस्याओं को सुनकर तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की पहल जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण बनी।

आर्थिक तंगी नहीं बनेगी बाधा, छ्यांश के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी सरकार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में आज एक पिता अपने छह वर्षीय बेटे के बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचे। रायपुर के आमानाका क्षेत्र के कुकुरबेड़ा निवासी अमित कोटांगले अपनी बुजुर्ग माता श्रीमती हिरकना बाई कोटांगले के साथ बेटे छ्यांश के पैरों के ऑपरेशन के लिए सहायता की गुहार लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मिले। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बच्चे का ऑपरेशन अब तक नहीं हो पा रहा था। मुख्यमंत्री श्री साय ने परिवार की व्यथा को गंभीरता से सुना और



तत्काल उपचार के निर्देश दिए। अमित ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके दोनों बच्चों को जन्म से ही पैरों में चलने-फिरने की समस्या है। काफी कठिनाइयों के बीच उन्होंने बड़े बेटे का ऑपरेशन करवाया, जिसके बाद वह अब स्वस्थ है। लेकिन छोटे बेटे छ्यांश का ऑपरेशन आर्थिक तंगी के कारण नहीं हो पा रहा। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी का निधन हो चुका है। दोनों बच्चों की परवरिश और घर की जिम्मेदारी वे अपनी बुजुर्ग माता और बहन के साथ मिलकर संभाल रहे हैं। सीमित संसाधनों में बेटे का इलाज कराना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया था।

टीएस सिंहदेव ने सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा के दौरान कहा विकृत हिंदुत्व को बढ़ावा दे रही भाजपा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

निवाड़ी। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भाजपा और केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और धार्मिक संस्थानों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा विकृत हिंदुत्व को बढ़ावा दे रही है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा में शामिल होने निवाड़ी पहुंचे टीएस सिंहदेव ने कहा कि भाजपा ने ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई के बाद अब

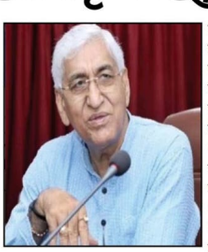

चुनाव आयोग को भी अपने कब्जे में ले लिया है। देश के चुनावों को प्रभावित करने का काम खुलेआम किया जा रहा है। यह मामला कांग्रेस और भाजपा का नहीं, बल्कि देश के बुनियादी लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने का है सिंहदेव ने कहा कि प्रजातांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्ता में पहुंचे कुछ लोग किसी भी कीमत पर सत्ता छोड़ना नहीं चाहते। इसके लिए देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं और बुनियादी मूल्यों को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की जा रही है। कभी 2047, कभी 30 साल, 50 साल और कभी 100 साल तक सत्ता में बने रहने की बातें की जाती हैं। ऐसी मानसिकता लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती है। सिंहदेव ने भाजपा पर धार्मिक आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिन राम जी के नाम पर भाजपा सत्ता में पहुंची, उन्हीं के नाम पर बने अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट में चढ़ावे की चोरी हुई। अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों के चयन में प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय से जुड़े लोगों की भूमिका रही। ट्रस्ट में शामिल लोगों पर चढ़ावे की राशि में गड़बड़ी के आरोप लगे उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की मंशा केवल अयोध्या के मंदिर ट्रस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर के मंदिरों के ट्रस्ट पर कब्जा कर वहां आने वाली राशि का दुरुपयोग करना चाहती है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म की मूल भावना के स्थान पर विकृत हिंदुत्व को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा की विचारधारा और उसके नेताओं के धार्मिक दावों पर भी सवाल उठाए।

दरअसल, उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से 20 अक्टूबर को विजयादशमी के अवसर पर शुरू हुई यह यात्रा करीब 930 किलोमीटर की दूरी तय कर अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक पहुंचेगी।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों से गुजर रही है।

पूर्व महाधिवक्ता के निधन पर मुख्यमंत्री ने व्यक्त किया गहरा दुःख

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता, प्रख्यात संविधान विशेषज्ञ, गांधीवादी विचारक एवं ख्यात लेखक कनक तिवारी के निधन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने उनके निधन के समाचार को अत्यंत दुःखद बताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने शोक संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता, संविधान विशेषज्ञ एवं ख्यात लेखक कनक तिवारी जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश के अंत में ह्यॐ शांतिह्व लिखकर दिवंगत कनक तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कनक तिवारी की पहचान देश के जाने-माने गांधीवादी विचारक, संविधान विशेषज्ञ और लेखक के रूप में रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई थी। कानून के साथ-साथ साहित्य और वैचारिक चिंतन के क्षेत्र में उनकी विशेष पहचान थी। संविधान, लोकतंत्र और गांधीवादी विचारधारा से जुड़े विषयों पर उनकी गहरी रुचि रही। कनक

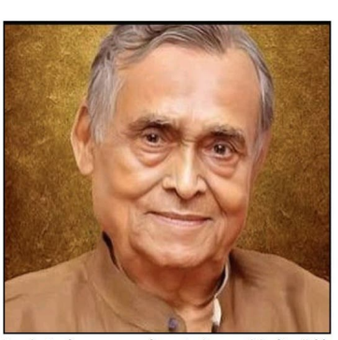

तिवारी पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे थे। उन्होंने पांच सितंबर को सोशल मीडिया के माध्यम से पांचवीं बार आईसीयू में भर्ती होने की जानकारी साझा की थी। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद 19 सितंबर को उन्होंने पद्मनाभपुर में गणेश उत्सव के अवसर पर हुए अपने सार्वजनिक अभिनंदन का उल्लेख किया था। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले कनक तिवारी के स्वास्थ्य को लेकर उनके प्रशंसक और शुभचिंतक पिछले कई दिनों से चिंतित थे।

उनके निधन से प्रदेश के साहित्यिक, विधिक और बौद्धिक जगत को बड़ी क्षति पहुंची है। उनकी लेखनी और वैचारिक योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा। कनक तिवारी ने बीती रात अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को भिलाई के बीएम शाह अस्पताल में रखा गया है। विदेश में रह रही उनकी बेटी के लौटने के बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मार्शल आर्ट की प्रतिभाशाली बेटियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में नवा रायपुर से आई मार्शल आर्ट की खिलाड़ी बेटियों सना और सानिया ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दोनों बेटियों की खेल उपलब्धियों और पढ़ाई के साथ खेल के प्रति उनके समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिलाया। सना और सानिया ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे मार्शल आर्ट में लगातार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। दोनों गोल्डन कप सहित खेलो इंडिया गेम्स और दमन में आयोजित बीच गेम्स में



भी हिस्सा लेकर पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने अपनी खेल उपलब्धियों और भविष्य की तैयारियों के बारे में भी मुख्यमंत्री को जानकारी दी। दोनों बहनें खेल के साथ शिक्षा को भी समान महत्व दे रही हैं। सना बीकॉम और सानिया बीसीए की पढ़ाई कर रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने उनकी इस लगन की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा कि पढ़ाई और खेल दोनों क्षेत्रों में संतुलन बनाकर आगे बढ़ना उनकी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने दोनों बेटियों को अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

किसानों के रकबा सत्यापन की कार्रवाई समय पर करें पूर्ण : दयालदास

0 प्रभारी मंत्री ने की धान खरीदी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा 0 अवैध धान खपाने के प्रयासों पर रोक लगाने के दिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने गुरुवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विधायक भूलन सिंह मरावी, जिपं अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले सहित सभी अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री श्री बघेल ने धान खरीदी कार्य की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि उन्हें धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने किसानों के रकबा सत्यापन की कार्यवाही समय पर पूर्ण करने तथा अवैध रूप से धान खपाने के प्रयासों पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए। खाद्य विभाग से पंजीकृत किसानों की संख्या, धान का रकबा, अनुमानित उत्पादन, अब तक हुई खरीदी, जारी टोकन, बारदानों की उपलब्धता, पीडीएस एवं राइस मिलों में बारदानों की स्थिति तथा मिलर्स द्वारा धान जमा करने की प्रगति की जानकारी ली। जिन राइस मिलों द्वारा निर्धारित मात्रा में धान जमा नहीं किया गया है, उनकी स्थिति की भी समीक्षा की। साथ ही राशन दुकानों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा सीएनजी गैस की आपूर्ति व्यवस्था की प्रगति की जानकारी ली।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान आधार सीडिंग, लैंड सीडिंग, फसल विविधीकरण, दलहन एवं तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। मंत्री ने धान के रकबे में कमी लाकर किसानों को अन्य लाभकारी फसलों की ओर प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। धान के स्थान पर वैकल्पिक फसल लेने वाले किसानों को दी जाने वाली सहायता राशि, गन्ना उत्पादन एवं शुगर मिल में शुगर उत्पादन की तैयारियों की जानकारी भी ली। उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत ऑयल पाम उत्पादन की संभावनाओं एवं प्रगति की समीक्षा की। पशुपालन विभाग से गोधाम योजना के तहत संचालित गतिविधियों तथा पशुओं के टीकाकरण की स्थिति की जानकारी ली। वहीं मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को मत्स्य पालन से जोड़ने एवं उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में जिला अस्पताल सहित सभी विकासखंडों के स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। सीएसपीडीसीएल की समीक्षा के दौरान स्मार्ट मीटर से अधिक बिजली बिल आने संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका प्राथमिकता



के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए जिले में सोलर इंस्टॉलेशन की प्रगति की जानकारी भी ली। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित संचालन पर विशेष ध्यान देने को कहा। लगातार अनुपस्थित रहने वाले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा बंद रहने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर, शिक्षकों की उपस्थिति एवं मध्यान्ह भोजन योजना के संचालन की जानकारी ली। लगातार अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत भवन निर्माण कार्यों की जानकारी भी ली।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई के निर्देश

आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, छात्रावासों में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण, छात्रावासों की व्यवस्थाओं तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के संचालन की समीक्षा की। वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन के साथ फौती, सीमांकन एवं बंटवारा संबंधी प्रकरणों की जानकारी भी ली। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों की स्थिति एवं उनके निराकरण की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। प्रभारी मंत्री ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा में जल जीवन मिशन की प्रगति पर चर्चा करते हुए सिंगल विलेज एवं मल्टी विलेज योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक घर तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने की स्थिति की जानकारी ली।

नशे की रोकथाम हेतु करें प्रभावी कार्रवाई

मंत्री श्री बघेल ने जिले में नशे की रोकथाम को लेकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों एवं इंजेक्शन के दुरुपयोग पर नियंत्रण के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। नशीले इंजेक्शन के साझा उपयोग से एचआईवी संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है, इसलिए इस दिशा में जागरूकता एवं रोकथाम के उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में मंत्री श्री बघेल ने सभी विभागीय अधिकारियों को शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने, विभागीय कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों, किसानों, विद्यार्थियों एवं जरूरतमंद हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

इसके अलावा संविधान दिवस के अवसर पर मंत्री श्री बघेल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया।

वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में की गई विस्तृत चर्चा

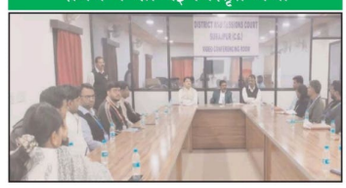

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार आगामी 12 दिसंबर को आयोजित होने वाली वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण थॉमस एक्का ने की। बैठक में प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मानवेंद्र सिंह एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डी.एस. बघेल प्रमुख उपस्थित रहे।इस दौरान आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों को चिन्हित कर लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जाने तथा आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के माध्यम से प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के लंबित मामलों के निराकरण, संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से लाभान्वित करने तथा विभागों द्वारा नियमानुसार माफ अथवा कम की जा सकने वाली राशि के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में विद्युत विभाग, नगरपालिका, दूरसंचार विभाग एवं विभिन्न बैंकों के प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों को अपने-अपने विभागों से संबंधित अधिकाधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों को लोक अदालत में प्रस्तुत करने तथा पक्षकारों को आपसी सहमति से विवादों का समाधान करने के लिए प्रोत्साहित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सुलभ, सस्ता एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराना तथा आपसी सहमति से विवादों का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे 12 दिसंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाएं तथा अपने लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों का आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से निराकरण कराएं।

संविधान दिवस पर कलेक्ट्रेट में अधिकारी कर्मचारियों ने किया उद्देशिका का वाचन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संविधान दिवस पर गुरुवार को यहां जिला संयुक्त कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन कर संविधान में निहित मूल आदर्शों, सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उद्देशिका के वाचन के माध्यम से सभी ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने तथा सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा एवं अवसर की समता सुनिश्चित करने के संकल्प को दोहराया।



उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसी ऐतिहासिक दिवस की स्मृति में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। संविधान की उद्देशिका भारतीय लोकतंत्र के मूल स्वरूप, शासन व्यवस्था के आदर्शों तथा संविधान की शक्ति के स्रोत के रूप में भारत की जनता को रेखांकित करती है।

मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति किया गया जागरूक

भारतीय संविधान के मूल्यों एवं लोकतांत्रिक भावना के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संविधान दिवस पर यहां जिला चिकित्सालय सहित जिले के सभी सामुदायिक, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर अधिकारियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों, मरीजों एवं उनके परिजनों को संविधान की प्रस्तावना का महत्व बताते हुए न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता के सिद्धांतों की जानकारी दी गई। साथ ही मरीजों को गुणवतापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, उपचार, गोपनीयता एवं सम्मानजनक व्यवहार से जुड़े अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों को संवेदनशीलता एवं निष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन करने तथा प्रत्येक नागरिक को बिना भेदभाव स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का संदेश दिया गया।

कार से भिड़ी कार और दो बाइक की आमने सामने हुई टक्कर, दो आहत



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो व्यक्ति आहत हुए है। जिन्हें उपचारार्थ जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पहली घटना में जहाँ दो कारो की तो दूसरी घटना में दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पहली घटना शहर के साधुराम सेवाकुंज के सामने की है। यहां अनियंत्रित गति की दो कारें आमने सामने टकरा गईं है। इस हादसे में ग्राम पंचायत सिलफिली के सचिव महेंद्र दास को चोटें आई है। वहीं दूसरी घटना ग्राम पंचायत नेवरा की है, जहां दो बाइकों के बीच आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में भी एक बाइक सवार व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। दोनों घटना की सूचना मिलने के उपरांत मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने ततपरता दिखाते हुए आहतों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया है जहाँ आहतों का उपचार किया जा रहा है।

जिले की ज्वेलरी दुकानों में पहुंच पुलिस ने किया सीसीटीव्ही एवं सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण

प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में ज्वेलरी दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोकने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने जिले के समस्त थाना चौकी प्रभारियों को क्षेत्र की ज्वेलरी दुकानों का निरीक्षण कर सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच करने के निर्देश दिए थे। जिसके परिपालन में बुधवार को जिले के विभिन्न थाना-चौकी के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने क्षेत्र की ज्वेलरी दुकानों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान दुकानों में सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों की स्थिति, उनकी कार्यशीलता तथा रिकॉर्डिंग के लिए उपलब्ध बैकअप स्टोरेज की जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्देशित किया कि दुकान के अंदर एवं बाहर पर्याप्त संख्या में सीसीटीव्ही कैमरे लगाए ताकि दुकान के प्रवेश एवं निकास द्वार सहित आसपास की गतिविधियों पर भी सतत निगरानी रखी जा सके। साथ ही सीसीटीव्ही कैमरों को हमेशा चालू रखने तथा रिकॉर्डिंग का पर्याप्त बैकअप सुरक्षित रखने की समझाइश दी। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों को दुकान में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं अन्य कर्मियों का अनिवार्य रूप से पुलिस वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की पहचान समय रहते की जा सके। इसके अतिरिक्त ज्वेलरी दुकानों में पुलिस कंट्रोल रूम, संबंधित थाना तथा क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों के संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से चस्पा करने के निर्देश दिए, जिससे किसी भी आपात स्थिति अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस तक पहुंचाई जा सके। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों को यह भी हिदायत दी कि दुकान में किसी संदिग्ध व्यक्ति के आने, लगातार दुकान के आसपास रेकी करने अथवा असामान्य गतिविधियां दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न करें तथा स्वयं भी सतर्क एवं सजग रहें। पुलिस ने ज्वेलरी व्यवसायियों से अपील की है कि वे अपनी दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। सीसीटीव्ही कैमरे, रिकॉर्डिंग बैकअप एवं कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन सुनिश्चित करें तथा पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखें। पुलिस एवं आम नागरिकों के आपसी सहयोग और सतर्कता से अप्रिय स्थिति की रोकथाम करने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।



अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, बंशीपुर में 02 वाहन जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। खनिज, राजस्व एवं जिला स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा बंशीपुर के आसपास के क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। इस दौरान दो टिपर वाहन में 14 घन मीटर अवैध रेत का परिवहन करते पाया गया। अवैध वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों टिपर वाहनों को पुलिस थाना भटगाँव में सुपुर्द कराया गया है।



जांच के दौरान पत्थर, गिट्टी, मुरूम, मिट्टी, ईंट, रेत आदि का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर मशीनरी एवं वाहनों को नियमानुसार जप्त कर प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। साथ ही अर्थदण्ड की वसूली भी की जा रही है। विभाग ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC WORKS DEPARTMENT, (E/M) CIRCLE, BILASPUR (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (Online)

Online Tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W.D. in new Registraton System (Unified Registration System) for the following work:-

Sr.	NIT No.	System Tender Number	Name of Work	PAC
1	127	204509	PROVIDING ORDINARY REPAIR & MAINTAINANCE WORKS TO RESIDENTIAL BUILDINGS UNDER PWD E/M SUB DIVISION AMBIKAPUR, DISTT. -SARGUJA (C.G.)	16.00
2	129	204510	PROVIDING ORDINARY REPAIR & MAINTAINANCE WORKS TO RESIDENTIAL BUILDINGS UNDER PWD E/M SUB DIVISION BALRAMUR, DISTT. - BALRAMPUR (C.G.)	15.00
3	131	204512	PROVIDING ORDINARY REPAIR, MAINTAINANCE & OTHER ELECTRIFICATION WORKS TO RESIDENTIAL BUILDINGS UNDER PWD E/M SUB DIVISION BAIKUNTHPUR, DISTT. - KOREA (C.G.)	14.00
4	144	204513	SITC of CCTV Camera, Lightening Arrestors, AC, Chemical Earthing, Water Cooler-Cum-Purifiers, Fire Alarm, Fire Extinguishers, LAN Extension, LED Luminairs, Submersible Pump and Conference System in New Civil Court Building at Baikunthpur, Distt- Korea (C.G.)	51.59
5	145	204514	Providing Electrification to additional room for Govt. Degree College building, 1st floor at Kunkuri Distt. Jashpur (C.G.)	11.36
6	147	204517	Providing Electrification Renovation Addition Alteration of Internal Electrification including Part-2 Materials of Civil Court Janakpur, Block-Bharatpur, Distt. MCB (C.G.)	11.75
7	148	204518	Providing Electrification to Additional work in New Civil Court Building at Baikunthpur, Distt- Korea (C.G.)	26.15

Percent Rate Tenders
II Call Start Date 20.11.2026
Online Bid Submission 01.12.2026,
Physical Document submission 04.12.2026
Date of Opening 07.12.2026

The Tender documents can be downloaded from the web-portal **http://eproc.cgstate.gov.in** only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document consit online.

Superitending Engineer
P.W.D. (E/M) Circle
Bilaspur (C.G.)

G-262704698/2

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

No. E/SA/Medical/CMP (Dr.)/71568 Date: 20.11.2026

अधिसूचना

पदों की संख्या: 01 सीएमपी (जीडीएमओ)

बिलासपुर मंडल के चिकित्सा विभाग हेतु एक वर्ष के लिए 01 सीएमपी/जीडीएमओ पद के अनुबंध हेतु संक्षिप्त अधिसूचना जारी की जाती है, वार्षिक अनुबंध के आधार पर बिलासपुर मंडल में 01 सीएमपी/जीडीएमओ (जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर) की रिक्त पद के खिलाफ, स्वास्थ्य इकाई/ब्रजराजनगर हेतु संविदा आधार पर अनुबंध किया जाना है। जिसके चयन हेतु "वॉक इन इंटरव्यू" दिनांक **14.12.2026 (सोमवार) को 11:00 बजे** पर मुख्य स्वास्थ्य अधीक्षक (CMS Chamber) के कार्यालय कक्ष बिलासपुर (रेलवे अस्पताल) में रखा गया है। विस्तृत विवरण अर्थात पात्रता, योग्यता, आयु अनुभव और अन्य नियम और शर्तों के लिए कृपया एसईसीआर वेबसाइट में अपलोड किया गया है:- **https://secr.indianrailways.gov.in** तथा बिलासपुर मंडल पर सीएमपी/जीडीएमओ की नियुक्ति हेतु आवेदन केवल ई-मेल आईडी: **srdpo.omr.contract@gmail.com** के माध्यम से प्रस्तुत करें जिसकी **की अंतिम तिथि दिनांक: 11.12.2026 को शाम 06:00 बजे तक।**

1. (Recruitment/News/Press Release → Recruitment → Bilaspur)
2. (Dept./Div. of SECR-Division-BILASPUR-Personnel-Notification)

सीपीआर/10/पीएच./514 *कृते मंडल कार्मिक अधिकारी/बिलासपुर*

f South East Central Railway @secrail

मुख्यमंत्री ने कुनकुरी नगर की विद्युत संरचना के लिए 4 करोड़ 99 लाख रुपये की दी सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कुनकुरी। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर कुनकुरी नगर की विद्युत व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कुनकुरी नगर की मुख्य सड़क पर विद्युत अधोसंरचना के उन्नयन के लिए 4 करोड़ 99 लाख 13 हजार 220 रुपये की स्वीकृति मिली है। इस राशि से सड़क किनारे खंभों पर गुजरने वाले खुले बिजली तारों को हटाकर भूमिगत केबल बिछाने सहित ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाने और उनके डीपी ढांचों को व्यवस्थित करने का कार्य किया जाएगा। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा इस कार्य के लिए 13 नवंबर 2026 को कार्यादेश जारी कर दिया गया है। इस परियोजना के पूरा होने से कुनकुरी नगर की मुख्य सड़क पर विद्युत व्यवस्था अधिक सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित होगी। साथ ही सड़क की सुंदरता और शहरी आधारभूत सुविधाओं को भी नया स्वरूप मिलेगा।



2.40 किलोमीटर एलटी और 1.30 किलोमीटर 11 केवी लाइन होगी भूमिगत

स्वीकृत परियोजना के अंतर्गत कुनकुरी की मुख्य सड़क पर 1.30 किलोमीटर लंबी 11 केवी विद्युत लाइन तथा 2.40 किलोमीटर लंबी एलटी लाइन को भूमिगत किया जाएगा। इससे बिजली के खुले तारों और खंभों के जाल से सड़क को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। खुले तारों से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने, सड़क किनारे विद्युत ढांचों को व्यवस्थित करने और निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था को बेहतर बनाने में यह कार्य उपयोगी साबित होगा।

नगर के 7 ट्रांसफॉर्मरों की बढ़ेगी क्षमता, 8 स्थानों पर डीपी ढांचे भी होंगे शिफ्ट

परियोजना के तहत नगर के 8 स्थानों पर ट्रांसफॉर्मरों के डीपी ढांचों को दूसरी जगह स्थापित किया जाएगा। वहीं 7 ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाकर प्रत्येक को 200 केवीए किया जाएगा। इससे विद्युत वितरण व्यवस्था मजबूत होगी और बढ़ती बिजली मांग के अनुरूप क्षमता विकसित होगी।

नगर में इस विद्युत परियोजना की स्वीकृति मिलने पर नगरवासियों में हर्ष का माहौल है। इस परियोजना से लो वोल्टेज एवं पावर कट की समस्या से नगरवासियों को निजात मिल जाएगी। बड़ी सौगात मिलने पर नगरवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है।

मनोरा में 07 गौवंश तस्करों से मुक्त, एक आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। गौ तस्करी के खिलाफ जशपुर पुलिस का ऑपरेशन शंखनाद निरंतर जारी है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व में मनोरा पुलिस ने खरसोता जंगल पुलिया के पास घेराबंदी कर 07 मवेशियों को तस्करों से मुक्त कराया। बरामद मवेशियों में 04 बैल और 03 भैंस शामिल हैं। 25 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा कि कुछ व्यक्ति मवेशियों को क्रूरतापूर्वक मारते-पीटते हुए पैदल हांक कर ले जा रहे थे। पुलिस ने एक आरोपी बालेश्वर राम (38 वर्ष, निवासी ग्राम छतोरी, चौकी सोनक्यारी) को पकड़ लिया, जबकि 03 अन्य आरोपी जंगल व अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। फरार तस्करों को चिन्हित कर लिया गया है, पतासाजी जारी है।



आरोपी के पास गौवंशों से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। चौकी मनोरा में धारा 4, 6, 10 छ.ग. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 व धारा 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। कार्यवाही में एएसआई वैभव कुमार सिंह, आरक्षक शैलेन्द्र तोमर, रितेश भगत, अरविंद साय, संजीव कुजूर व नीलीन साय की भूमिका रही। एसएसपी ने कहा कि गौ तस्करी में संलिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रस्तावित जशपुर आगमन के मद्देनजर कलेक्टर रोहित व्यास ने गुरुवार को जिले के विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने सर्वप्रथम मयाली में सरस मेला स्थल का निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत जोकारी में चिक समाज के प्रस्तावित सामाजिक कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

समाज प्रमुखों से चर्चा की। कार्यक्रम में सामाजिक गतिविधियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। कंडोरा में रौतिया समाज के निर्माणाधीन सामुदायिक भवन के निर्माण की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया और कार्यक्रम से पूर्व सभी कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।कुंजारा में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत लगभग एक एकड़ में स्थापित सोलर प्लांट का निरीक्षण किया। उत्पादित विद्युत का वितरण ग्रामीण घरों तक किया जाएगा। कंडोरा स्थित शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज एवं छात्रावास में आधारभूत संरचना, सुविधाओं और प्रशिक्षण संसाधनों की जानकारी ली और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।



जंबूरी 2026 का हुआ शुभारंभ, छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों से पहुंचे प्रतिभागी



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिले में आयोजित जशपुर जंबूरी 2026 का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। पहले दिन छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों से भी प्रतिभागी जशपुर पहुँचे। इनके साथ विभिन्न क्षेत्रों के कंटेंट क्रिएटर्स भी इस आयोजन का हिस्सा बनने पहुँचे हैं। जशपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी भी उत्साहपूर्वक जंबूरी में भाग ले रहे हैं, जिससे स्थानीय बच्चों को भी जिले की पर्यटन, साहसिक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। जंबूरी के दौरान आगामी चार दिनों तक जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर साहसिक गतिविधियों, प्रकृति दर्शन, पर्यटन एवं कला से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं आयोजन स्थल

देशदेखा : रॉक क्लाइम्बिंग, टॉप रोप क्लाइम्बिंग, बोल्डरिंग, जुमारिंग, जिपलाइन और स्टारगेजिंग।
मयाली : वॉटर स्पोर्ट्स, एटीवी राइड, पेंटबॉल और चेस।
अंतरिक्ष दर्शन प्लैनेटेरियम : 27-28 नवंबर को मयाली में तथा 29 नवंबर को रंजीता स्टेडियम में लगेगा।
सारूडीह : चाय बागान का भ्रमण, प्राकृतिक सुंदरता और चाय उत्पादन की जानकारी।
सरना एथनिक रिसॉर्ट : स्थानीय संस्कृति, परंपरा एवं जनजातीय जीवनशैली से परिचय।
नीमगांव : बर्ड वॉचिंग का आयोजन।
आर्ट वर्क एवं कला गतिविधियां : आर्ट मेला और कला कार्यशालाएं।

भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था

जंबूरी में शामिल प्रतिभागियों के लिए जलपान एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्हें स्थानीय परंपरा के अनुरूप पारंपरिक भोजन परोसा जा रहा है। प्रतिभागियों के ठहरने के लिए विभिन्न स्थानों पर होम-स्टे एवं टेंट की व्यवस्था की गई है।

सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं में जुटी टीमें

आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पुलिस, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन एवं रेस्क्यू की टीमें तैनात हैं। सभी साहसिक गतिविधियों का संचालन प्रशिक्षित विशेषज्ञों की देखरेख में किया जा रहा है।

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ कर रहे लगातार निगरानी

पूरे आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की कलेक्टर रोहित व्यास एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अभिषेक कुमार द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। उनका विशेष ध्यान प्रतिभागियों की सुरक्षा, सुविधाओं एवं गतिविधियों के सुचारू संचालन पर है।



कलेक्टर ने नगर के निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज नगर पालिका जशपुर क्षेत्र में चल रहे विभिन्न निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने तथा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने रणजीता स्टेडियम के समीप लगभग 64 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन सूर्य नमस्कार चौक का अवलोकन किया। उन्होंने चौक के आसपास जमीन में लगे पत्थरों का समतलीकरण करने तथा पेड़ों पर लगी लाइटों को उचित ऊंचाई पर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। साथ ही पौधों में नियमित पानी देने एवं गोबर खाद का छिड़काव करने और नागरिकों की सुविधा के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक एवं बालासाहेब देशपांडे चौक में लगभग 7 लाख 50 हजार रुपये की लागत से किए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इन कार्यों को बेहतर तरीके से पूरा करने तथा शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शहर में हो रहे सौंदर्यीकरण कार्य जशपुर की सुंदरता बढ़ाने के साथ नागरिकों एवं आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे। निरीक्षण के दौरान जशपुर एसडीएम ओंकारेश्वर सिंह, नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



विधान की दुहाई देने वाली कांग्रेस ने ही लोकतंत्र का गला घोंटा : कृष्ण कुमार राय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। संविधान गौरव दिवस पर जिला भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी आयोजित हुई। इसमें विधायक रायमुनी भगत और मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश महामंत्री कृष्ण कुमार राय ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को नमन कर उनके विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

विधायक रायमुनी भगत ने कहा कि बाबा साहेब ने जीवन सामाजिक समानता, न्याय और वंचितों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज संविधान के नाम पर राजनीतिक लाभ ले रही है, जबकि उसके शासनकाल में बाबा साहेब को उचित सम्मान नहीं मिला। भाजपा सरकार उनके विचारों को धरातल पर उतारकर अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचा रही है।

कृष्ण कुमार राय ने कहा कि अंबेडकर संपूर्ण राष्ट्र के गौरव हैं। भाजपा के लिए संविधान राष्ट्र की लोकतांत्रिक व्यवस्था, एकता और अखंडता का आधार है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आपातकाल में कांग्रेस ने लोकतंत्र निलंबित किया, मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगाए। उसे उपदेश देने से पहले अपने अतीत का जवाब देना चाहिए। पीएम मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब को राष्ट्रीय सम्मान देने की पहल हुई।

संगोष्ठी को जनपद अध्यक्ष गंगा राम भगत, नगरपालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, गोविंद राम भगत व सुरेश राम भगत ने भी संबोधित किया। अंत में नेताओं ने अंबेडकर चौक पहुंचकर दीप प्रज्वलित किया और प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।



गम्हरिया धान खरीदी केंद्र का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने जशपुर विकासखंड के गम्हरिया धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और धान बेचने आए किसानों से चर्चा करके धान खरीदी व्यवस्था की जानकारी ली। कलेक्टर ने समिति प्रबंधक को छोटे किसानों का भी प्राथमिकता से धान खरीदी करने के निर्देश दिए। उन्होंने टोकन की स्थिति, बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। गम्हरिया धान खरीदी केंद्र में 2723 किसानों का पंजीकरण किया गया है। अब तक 5 किसानों ने अपना धान बेचा है। किसानों को घर बैठे टोकन प्राप्त करने की सुविधा तुंहर टोकन ऐप के माध्यम से दी जा रही है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले के 49 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी की तैयारियां की गई है। 15 नवंबर 2026 से सभी केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा धान विक्रय के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए।

53,378 किसानों ने कराया पंजीयन

इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए जिले के कुल 53,378 किसानों ने पंजीयन कराया है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 50,904 थी। इस तरह पिछले वर्ष की तुलना में 2,474 नए किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीकृत किसानों का कुल धान रकबा लगभग 91,515.12 हेक्टेयर है।

3 नए उपार्जन केंद्र

किसानों को धान विक्रय में अधिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वर्ष जिले में 3 नए धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इनमें कुदमुरा, कोरंगामाल, चम्पा शामिल हैं। नए केंद्र शुरू होने से किसानों को धान बेचने के लिए अधिक विकल्प मिलेंगे और उन्हें आवागमन में भी सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री ने जशपुर से आई बिटिया फरहीन की सुनी फरियाद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में जशपुर से आई बिटिया फरहीन ने मुलाकात कर अपने परिवार की आर्थिक परेशानियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने बेहद आत्मीयता और संवेदनशीलता के साथ उसकी पूरी बात सुनी और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। अपनी माता के साथ जनदर्शन में पहुंची बीकॉम की छात्रा फरहीन ने बताया कि उसके पिता वर्ष 2018 से कैंसर से पीड़ित थे। लंबे समय तक चले इलाज में परिवार की पूरी जमा पूंजी खर्च हो गई। बीमारी से संघर्ष करते हुए वर्ष 2025 में पिता का निधन हो गया। पिता के इलाज में आर्थिक संसाधन समाप्त हो जाने के कारण अब परिवार के सामने घर तक गिरवी रखने की नौबत आ गई है।



फरहीन की आपबीती सुनकर मुख्यमंत्री श्री साय ने उसे ढांढस बंधाया और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने फरहीन को अपनी पढ़ाई बिना किसी चिंता के जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि कठिन परिस्थितियों में सरकार जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री से अपनी पीड़ा साझा करने और सहायता का भरोसा मिलने के बाद फरहीन के चेहरे पर संतोष और उम्मीद की मुस्कान लौट आई। जनदर्शन में मुख्यमंत्री की यह आत्मीय पहल जरूरतमंदों की समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता और आम लोगों से सीधे संवाद के संकल्प को दर्शाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह